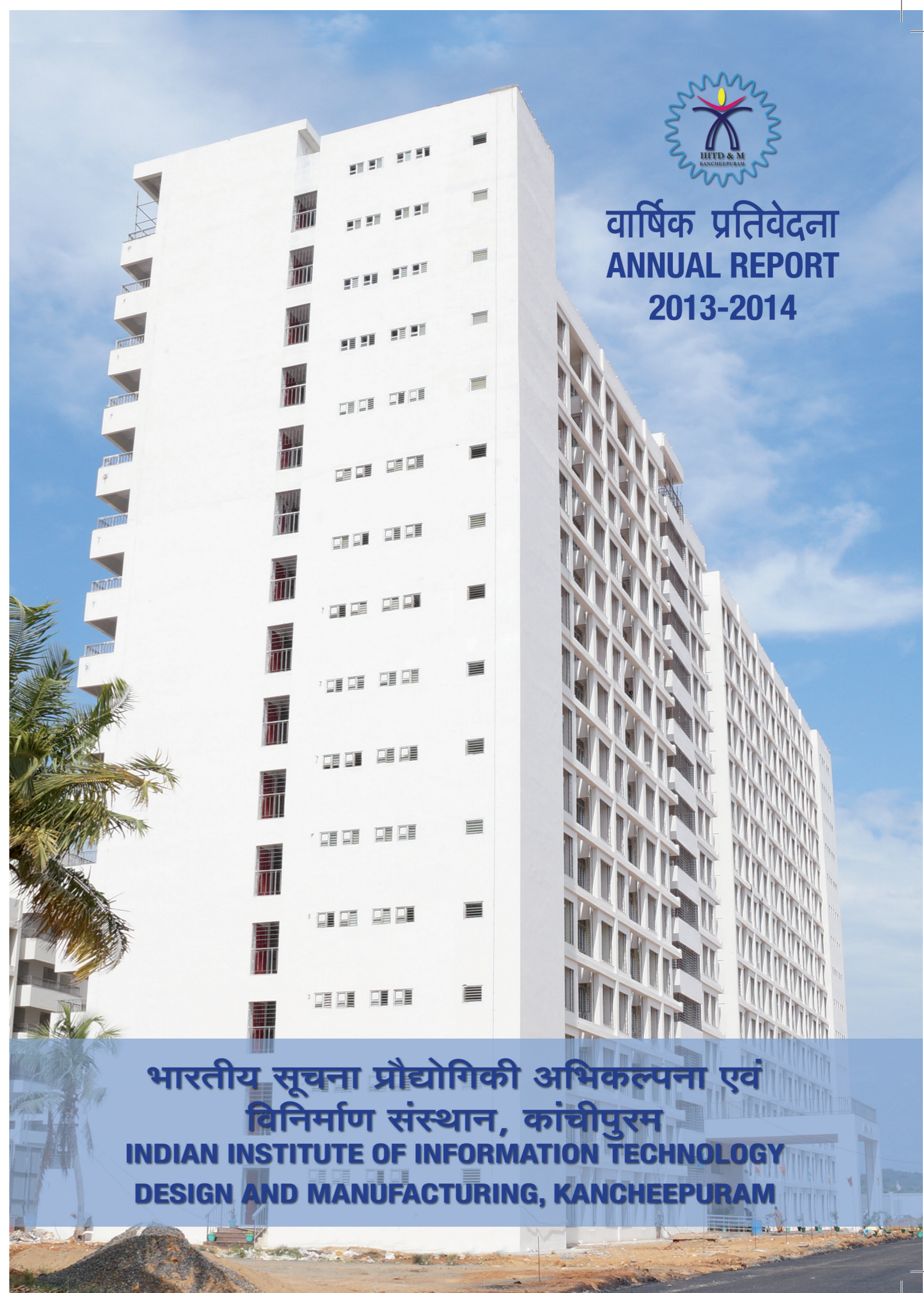




भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं  
विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम  
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY  
DESIGN AND MANUFACTURING, KANCHEEPURAM  
Melakottaiyur, Chennai - 127  
[www.iiitdm.ac.in](http://www.iiitdm.ac.in)



वार्षिक प्रतिवेदना  
ANNUAL REPORT  
2013-2014



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं  
विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम  
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY  
DESIGN AND MANUFACTURING, KANCHEEPURAM



वार्षिक प्रतिवेदना २०१३ - २०१४



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं  
विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम

# अंदर

निदेशक की मेज़ से	3	शोध प्रकाशन	19
परिकल्पना, उद्देश्य एवं घोषणापत्र	5	सम्मान एवं मान्यताएँ	22
प्रबंधक मंडल	6	आमंत्रित वार्ता/अतिथि व्याख्यान	23
संस्थान अधिसभा	7	कार्यशालायें एवं प्रशिक्षण	25
संस्थान प्रशासन	8	छात्र उपलब्धियां	27
शैक्षिक	9	स्थानिकीकरण एवं प्रशिक्षण	28
नवीन अभिकल्पना केंद्रित शैक्षिक कार्यक्रम	10	उद्योग समन्वय	29
छात्र और कर्मचारी संख्यिकी	11	छात्र क्रियाएं	30
संस्थान शुल्क विवरण	12	आमंत्रित व्याख्यान	32
मौलिक विज्ञान	13	समाज सेवा	33
सण्गडक अभियांत्रिकी	13	मार्गदर्शन एवं परामर्श	35
सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी	15	कमजोर वर्ग कल्याण	36
अभिकल्पना अभियांत्रिकी	16	छात्रवृत्तियां एवं हिन्दी पखवाड़ा	37
यांत्रिकी अभियांत्रिकी	17	खेल	38
संस्थान पुस्तकालय	18	अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता	40
वित्त पोषित परियोजनाएँ	18	स्थायी परिसर में आधारिक संरचना	41

# निदेशक की मेज़ से



प्रोफ. आर. न्यानमूर्ति

## 'अभिकल्पना द्वारा परिवर्तन'

अभिकल्पना द्वारा परिवर्तन लाना आईआईआईटीडीएम के सभी पहलुओं में परिलक्षित होता है जैसे की शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम, अनुसंधान, उत्पाद विकास, छात्र गतिविधियों, बुनियादी ढांचे के विकास, और परिसर प्रशासन। अभिकल्पना और विनिर्माण क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक प्रमुख संस्थान बनने के लिए संस्थान वर्तमान में एक नवीन एवम् अपने तरह का पहला स्नातकोत्तर कार्यक्रम जिसमें सन्नगडक अभियांत्रिकी, सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी (डी एवम् एम), और यांत्रिकी अभियांत्रिकी (डी एवम् एम) में बी. टेक. शामिल है। तीन बीटेक कार्यक्रम जिन्हें प्रत्येक की शुरुआत २० छात्रों से हुई थी, उसमें अगले शैक्षणिक वर्ष से सभी तीन धाराओं में दोहरी डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश की जाएगी, जिनमें प्रत्येक में ४० छात्रों की भर्ती की जाएगी और इस बात को उजागर करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

संस्थान तीव्र गति से प्रगति कर रहा है और इसने सभी क्षेत्रों में एक शानदार वृद्धि देखी है, जिसके लिए मैं आक्रामक और उत्साही शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को धन्यवाद देता हूँ। संस्थान ने २००७ में अपनी स्थापना के बाद से अभिकल्पना और विनिर्माण में स्वयं को एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित किया है। पिछले कुछ एक वर्षों में आईआईआईटीडीएम एक सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी युक्त अभिकल्पना केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

अनुभवात्मक अधिगम दृष्टिकोण एवं अभिकल्पना केंद्रित होने के कारण हमारे परिसर ने अनेक उत्पाद विकास कंपनियों को स्थानिकीकरण और प्रशिक्षण के लिए आकर्षित किया है। अनेक स्नातक छात्र अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे की स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, जॉर्जिया टेक, कोलंबिया विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, आईआईटीएम, इत्यादि में स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रमों में संलग्न हैं। हमारी परिकल्पना को इस तथ्य से भी मजबूती मिलती है की हमारे छात्रों ने 'विकलांगो के लिए स्मार्ट पुस्तक धारक', नेत्रहीनों के लिए पढ़ने का उपकरण' बनाया है। सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित, 'संकाय भरती प्रणाली', 'पीएचडी आवेदन सूक्ष्म परीक्षण' प्रणाली का विकास भी हमारे उत्साही स्नातक छात्रों द्वारा किया गया।

शैक्षिक मोर्चे पर सफल बीटेक कार्यक्रम के साथ, आईआईआईटीडीएम ने नवीन तरह के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरुआत की है, जिसमें सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी में दो एम. देस की धारार्यें एवं यांत्रिकी अभियांत्रिकी में एम. देस. की एक धारा शामिल है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में ज्यादा जोर अभिकल्पना और/अथवा विनिर्माण पर दिया जाता है जिससे अभिकल्पना एवं विनिर्माण में गहरी सोच का विकास किया जा सके। हमारे कुछ स्नातकोत्तर छात्रों को अभिकल्पना/उत्पाद इकाइयों द्वारा अवशोषित किया गया है एवं बाकी के अनुसंधान में लगे हुए हैं।

आईआईआईटीडीएम शिक्षण और अनुसंधान दोनों के लिए सबसे अधिक शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखता है। ऐसा हमारे नवीन शिक्षण अध्यापन के तहत मौलिक अवधारणाओं की अच्छी समझ दिए जाने के कारण संभव है। इस कारण हमारे छात्रों को प्रमुख उद्योग इकाइयों में प्रशिक्षण पाने और इसी तरह से अनुसंधान में जाने में जैसे की डाड के तहत, जर्मनी के मैक्स प्लैंक सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, एन एस के जापान, और हिटाची एन टी यू, जापान में मदद मिली है।

अनुसंधान के मोर्चे पर, शोध छात्रों के साथ हमारी जीवंत संकाय ने समूह सहकर्मों की समीक्षा की पत्रिकाओं तथा सम्मेलनों में ४२ पत्रों का योगदान दिया है। इसके अलावा, वहाँ ६ प्रायोजित परियोजनायें कर रहे हैं और विभिन्न शैक्षिक अनुसंधान परियोजनायें भी सूची में हैं। इसके अलावा, आईआईआईटीडीएम में पढाए जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों में अनुसंधान पर बहुत जोर दिया जाता है। एक प्रमुख संस्थान होने के नाते, हमारे जीवंत संकाय उत्साहपूर्वक कार्यशालों, सम्मेलनों, और अनुसंधान प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। आइ सी ओ एन डी एम' १३ - आईआईआईटीडीएम में आयोजित प्रथम अभिकल्पना एवं विनिर्माण में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ जिसने विश्व भर से ५०० से अधिक शोध लेखों को आकर्षित किया जिसमें से १७३ प्रकाशन के लिए चुने गए।

आईआईआईटीडीएम और नगाओका विश्वविद्यालय, जापान, केटानिया विश्वविद्यालय, इटली, जेनोवा विश्वविद्यालय, इटली के बीच जापान पर हस्ताक्षर हुए जिसका उद्देश्य छात्र विनिमय कार्यक्रमों और अनुसंधान सहयोग को सरल बनाना है।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के संबंध में, हमारे छात्रों को आईआईआईटी ग्वालियर में आयोजित अंतर-खेल प्रतियोगिता में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं एवं कुल मिला कर खेल प्रतियोगिता में आईआईआईटीडीएम, ने तीसरा स्थान हासिल किया। संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक एवं तकनीकी समारोह समगाथा '१४ ने भारी संख्या में देश भर से प्रतिभागियों को आकर्षित किया। हमारे संस्थान का समाज सेवा समूह पूरे शैक्षणिक वर्ष भर में बहुत सक्रिय रहा एवं इस समूह ने 'नि: शुल्क नेत्र जांच', स्कूली बच्चों के लिए नि: शुल्क कंप्यूटर शिक्षा, रक्तदान शिविर, पोलियो अभियान एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया।

जहाँ तक बुनियादी ढांचे के विकास का सवाल है तो संस्थान ने शुरू की/पूरी हुई परियोजनाओं में एक विशाल छलौंग भरी है। संस्थान प्रशासन ने इस सत्र से नए भवन से कार्य करना शुरू कर दिया, और व्याख्यान कक्ष, प्रयोगशाला परिसर, बहु मंजिला छात्रावास का निर्माण पूरे जोरों पर हैं और जिसके अगले सत्र से चालू हो जाने की उम्मीद है।

आईआईआईटीडीएम पेशेवर शिक्षा के क्षेत्र में एक नए प्रतिमान पैदा कर रहा है और मैं पूर्ण रूप से आश्चस्त हूँ की आईआईआईटीडीएम आने वाले वर्षों में एक उच्च श्रेणी के संस्थान के रूप में उभरेगा।

प्रोफ आर न्यानमूर्ति

# परिकल्पना, उद्देश्य एवं घोषणापत्र



## परिकल्पना

आईआईआईटीडीएम की परिकल्पना एक ऐसे उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था के रूप में की जाती है जो की वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों के प्रतिस्पर्धी लाभ को सरल बनाता है एवं बढ़ावा देता है।

## उद्देश्य

आईआईआईटीडीएम का उद्देश्य देश में अभिकल्पना एवं विनिर्माण के क्षेत्र में शिक्षा एवं अनुसंधान का एक उत्कृष्ट वैश्विक केंद्र बनना है।

## घोषणापत्र

- अप्रतिम क्षमताओं वाले व्यक्तियों को स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना, विश्व स्तर के प्रतिस्पर्धी आर्थिक माहौल में भारतीय उद्योग को नेतृत्व करे।
- अपने दम एवं प्रायोजन आधार पर अभिकल्पना एवं विनिर्माण प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान और विकास गतिविधियों को आगे ले जाना।
- अन्य संस्थाओं एवं उद्योग जगत के कर्मियों/शोध छात्रों को दूरस्थ शिक्षा और सतत् शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करना।
- उद्योग के ज्ञान के प्रसार के लिए सम्मेलनों, अध्ययन गोष्ठियों, कार्यशालाओं और इस तरह के अन्य गतिविधियों का आयोजन करना।

## प्रबंधक मंडल

प्रोफेसर एम एस अनंत, अध्यक्ष  
पूर्व निदेशक, आईआईटी मद्रास

प्रोफेसर भास्कर रामामूर्ती, निदेशक  
भारतीय प्रौद्योगिकी मद्रास संस्थान

लेफ्ट. जनरल (रिट.) राव के आर  
पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम., वी.एस.एम.  
हैदराबाद

प्रोफेसर डेविड कोइलपिल्लई डीन (नियोजन)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

प्रोफेसर नारायणन एस अवकाश प्राप्त प्रोफेसर  
पूर्व डीन (अनुसंधान)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

प्रोफेसर आइजॅक के पी  
सदस्य सचिव  
एआईसीटीई

श्री राघवन बी एस, आईएएस (सेवानिवृत्त)  
संयुक्त राष्ट्र के पूर्व नीति सलाहकार  
पूर्व मुख्य सचिव, त्रिपुरा सरकार

श्री कृष्ण जी वी गिरि  
प्रबंध निदेशक,  
उपाध्यक्ष, एक्सचेंजर

श्री सन्तानम एस  
राष्ट्रपति - फ्लैट ग्लास, दक्षिण एशिया, मिस्र और एमडी  
सेंट गोबिन ग्लास इंडिया

श्री रामचंद्रन टी के, आईएएस  
सचिव सरकार, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार

श्रीमती रीना सोनोवाल कौली  
निदेशक (आईसीआर), उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास  
मंत्रालय, भारत सरकार

प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति  
निदेशक एवं कुलसचिव, आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम





# संस्थान अधिसभा

प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति  
निदेशक, आईआईआईटीडीएम

प्रोफेसर चंद्रशेखरन के  
पूर्व प्रोफेसर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

डॉ. दामोदरन पी  
सहायक प्रोफेसर, सूक्ष्मकणिका  
अभियांत्रिकी, आईआईआईटीडीएम

प्रोफेसर गणेश सुंदर रमन एस  
मैटलर्जिकल और सामग्री अभियांत्रिकी  
विभाग, आईआईटी मद्रास

प्रोफेसर हरिशंकर रामचंद्रन  
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

प्रोफेसर कृष्णमूर्ति सिवलिंगम  
सण्णडक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

डॉ. एम सत्य प्रसाद  
अशोक लेलैंड, चेन्नई

प्रोफेसर नारायणन एस  
अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, यांत्रिकी  
अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास

प्रोफेसर नीलेश वासा  
अभिकल्पना अभियांत्रिकी विभाग,  
आईआईटी मद्रास

डॉ. नूर मोहम्मद  
सहायक प्रोफेसर, संरक्षक  
आईआईआईटीडीएम

प्रोफेसर प्रभु के एम एम  
अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, सूक्ष्मकणिका  
अभियांत्रिकी

डॉ. रविकिशोर बी  
एचसीएल इन्फो सिस्टम प्राइवेट  
लिमिटेड, चेन्नई

प्रोफेसर विजयराघवन एल  
यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

प्रोफेसर चंद्रमौली पी  
यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

डॉ. शाहुल हामिद खान  
सहायक प्रोफेसर, यांत्रिकी अभियांत्रिकी,  
आईआईआईटीडीएम

प्रोफेसर कृष्ण वासुदेवन  
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

प्रोफेसर जगदीश कुमार वी  
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

प्रोफेसर रघु प्रकाश वी  
यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

श्री संदीप घोष  
प्रमुख, नए उत्पाद विकास, एम. एस.  
टीसीएस एस.

प्रोफेसर संतकुमार एस  
पूर्व शैक्षिक अधिष्ठाता, आईआईटी मद्रास

प्रोफेसर रामानुजम आर  
गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई

डॉ. के सेलवाज्योति  
सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटीडीएम

डॉ. मासिलामणि वी  
सहायक प्रोफेसर, सण्णडक अभियांत्रिकी,  
आईआईआईटीडीएम

डॉ. मतीयाज्जन सी  
सीईओ मार्केट में जापान, और एम टेक  
इंडिया

प्रोफेसर हेमा ए मूर्ति  
सण्णडक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी  
मद्रास

कुलसचिव, आईआईआईटीडीएम

# संस्थान प्रशासन



प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति  
निदेशक



श्री. ए चिदंबरम  
उप कुलसचिव (ए)



श्री. ए मान्जिकवसगम  
सलाहकार अभियंता



श्री. मतिवानन के.  
आंतरिक लेखा परीक्षा



श्री. रवि कुमार जी  
सहा. कुलसचिव



श्री. एस वेंकटेश्वरन  
सहा. रजिस्ट्रार



श्री. महेंद्र कुंकु  
सहा. रजिस्ट्रार



श्री. एस पांडियन  
कनिष्ठ अभियंता  
(सिविल)



श्री. पी. एम. श्रीराम भास्कर  
कनिष्ठ प्रविधिज्ञ अधीक्षक



श्री. के सर्वननकुमार  
कनिष्ठ प्रविधिज्ञ अधीक्षक



श्री. एस सर्वननकुमार  
कनिष्ठ अधीक्षक



श्री. वाई तेजोवडन  
कनिष्ठ अधीक्षक



श्री. पी. अलगुराज  
शारीरिक प्रशिक्षण



श्री. आर पार्थसारथी  
कनिष्ठ लेखाकार



श्रीमती. एस राजलक्ष्मी  
कनिष्ठ सहायक



श्रीमती. जी सुभाषिनी  
कनिष्ठ सहायक



श्री. एस कार्तिकेयन  
कनिष्ठ सहायक



श्री. के दिनेश कुमार  
कनिष्ठ सहायक



श्री. जी मनिकण्डन  
कनिष्ठ तकनीशियन



श्रीमती के मणीमेगालई  
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री. ए. विगनेश्वरन  
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री. एम. अश्विनराज  
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री. एस प्रभु  
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री. आर बालाजी  
कनिष्ठ परिचर



श्री. ए विजय भारती  
कनिष्ठ परिचर



श्री. पी. एन. श्रीनिवासन  
प्रबंधक

# शैक्षिक

## प्रस्तावित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम बी टेक	स्नातकोत्तर एम देस	डॉक्टरेट पी एच डी
सण्गडक अभियांत्रिकी  सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी (अभिकल्पना एवं विनिर्माण)  यांत्रिकी अभियांत्रिकी (अभिकल्पना एवं विनिर्माण)	सूक्ष्मकणिका प्रणालियाँ संचार प्रणालियाँ यांत्रिकी प्रणालियाँ	अंतर्विषयक क्षेत्रों

## दाखिले की विधि

बी.टेक	जेईई (मुख्य) और भारतीय नागरिकों के लिए सी. एस. ए. बी. के माध्यम से + 2 सामान्यीकरण स्कोर और भारतीय मूल विदेशी नागरिकों के लिए दासा के माध्यम से।
एम. देस	गेट, स्नातक प्रदर्शन और साक्षात्कार
पीएचडी	संस्थान परीक्षा और साक्षात्कार



# नवीन अभिकल्पना केंद्रित शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधक मंडल के बाद शैक्षणिक वर्ष २०१४ से नए अभिकल्पना केंद्रित ५ साल की दोहरी डिग्री कार्यक्रम की शुरुआत को मंजूरी दी

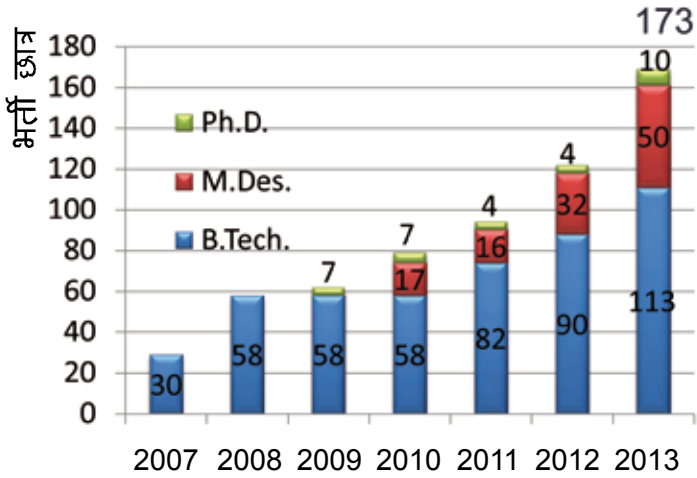
- सन्नगडक अभियांत्रिकी में बी. टेक और एम. टेक
  - बी. टेक (सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी डी एंड एम) और एम. टेक (वीएलएसआई और इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली अभिकल्पना)
  - बी. टेक (सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी डी एंड एम) और एम. टेक (संकेत प्रसंस्करण और संचार प्रणाली अभिकल्पना)
  - बी. टेक (यांत्रिकी अभियांत्रिकी डी एंड एम) और एम. टेक (उत्पाद अभिकल्पना)
  - बी. टेक (यांत्रिकी अभियांत्रिकी डी एंड एम) और एम. टेक (उन्नत विनिर्माण)
- ❖ लचीले दोहरी डिग्री कार्यक्रम
  - ❖ एक साल के बाद शाखा बदलने का प्रावधान
  - ❖ दोहरी डिग्री अनुशासन परिवर्तन दो वर्ष के बाद
  - ❖ पांच माह की उद्योग इंटर्नशिप
  - ❖ उत्कृष्ट छात्रों के लिए ऑनर्स डिग्री
  - ❖ अभिकल्पना परियोजना

## दाखिले की विधि

जेईई (मुख्य) और भारतीय नागरिकों के लिए सी. एस. ए. बी. के माध्यम से +२ सामान्यीकरण स्कोर और भारतीय मूल विदेशी नागरिकों के लिए टासा के माध्यम से।

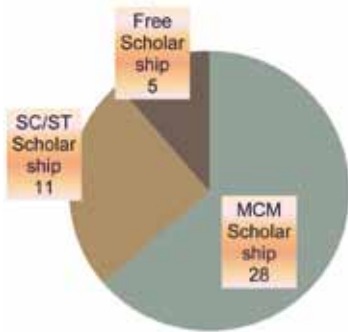


# छात्र सांख्यिकी



श्रेणी वार वितरण

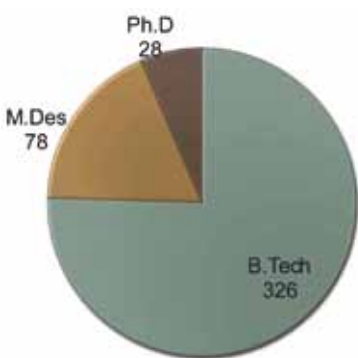
श्रेणी	बी. टेक	एम. देस	पीएचडी	कुल
सामान्य	१६३	४८	१७	२२८
सामान्य विकलांग	३	-	-	३
अन्य पिछड़ा वर्ग	८८	२१	८	११७
अन्य पिछड़ा वर्ग-विकलांग	२	-	-	२
अनुसूचित जाति	४२	९	३	५४
अनुसूचित जाति-विकलांग	२	-	-	२
अनुसूचित जनजाति	२३	-	-	२३
अनुसूचित जनजाति विकलांग	१	-	-	१
दासा	२	-	-	२
कुल	३२६	७८	२८	४३२



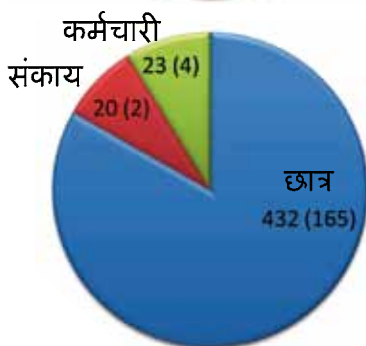
कुल यूजी २०१३ ११३ छात्रवृत्ति के साथ ४४

छात्रवृत्ति पूर्वस्नातक - २०१३ वर्ग

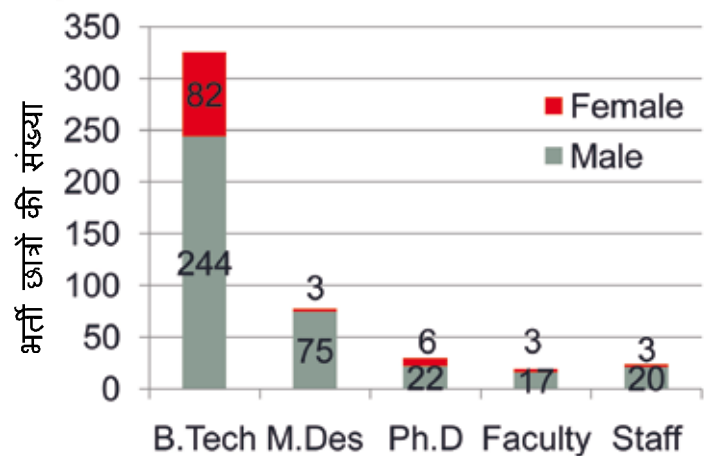
# छात्र एवं कर्मचारी सांख्यिकी



छात्र संख्या २०१४-०३-३१ पर



कोष्ठक में संख्या २०१३-१४ में भर्ती



# संस्थान शुल्क विवरण

क्र.सं.	विवरण	सेमेस्टर शुल्क की राशि		
		बी टेक	एम देस	पीएचडी
<b>अ. एक बार की फीस</b>				
१	प्रवेश शुल्क	१५०	१५०	१५०
२	ग्रेड कार्ड / थीसिस शुल्क	१५०	१५०	९५०
३	अंतरिम प्रमाणपत्र	१००	१००	१००
४	छात्र कल्याण निधि	२००	२००	२००
५	आधुनिकीकरण शुल्क	४००	६००	६००
६	पूर्व छात्र आजीवन सदस्यता शुल्क	५००	५००	५००
७	प्रकाशन शुल्क (एनएस)	२५०	२५०	२५०
कुल ए.		१७५०	१९५०	२७५०
<b>ब. सेमेस्टर फीस</b>				
१	शिक्षा शुल्क	२५०००	५०००	२५००
२	परीक्षा शुल्क	३५०	३५०	५००
३	पंजीकरण-नामांकन	२००	३००	५००
४	व्यायामशाला	५००	५००	५००
५	चिकित्सा शुल्क	५००	५००	५००
६	छात्र सुविधाएं	२०००	२०००	२५००
कुल ब		२८५५०	८६५०	७०००
<b>स. जमा (वापसी योग्य)</b>				
१	छात्रावास जमा (एनएस)	१०००	१०००	१०००
२	संस्थान और पुस्तकालय जमा	२०००	२०००	२०००
कुल स		३०००	३०००	३०००
<b>द. छात्रावास शुल्क और प्रति सेमेस्टर भोजनालय प्रभार</b>				
१	छात्रावास प्रवेश शुल्क	१००	१००	१००
२	छात्रावास अधिष्ठान शुल्क	५००	५५०	५५०
३	पंखा, बिजली और जल	३००	३००	३००
४	छात्रावास रखरखाव प्रभार	६२००	६१५०	६१५०
५	भोजन शुल्क अग्रिम	१००००	१००००	१००००
६	स्थापना बी प्रभार	५००	५००	५००
कुल द		१७६००	१७६००	१७६००
<b>ई. चिकित्सा बीमा प्रीमियम (प्रति वर्ष)</b>				
१	चिकित्सा बीमा प्रीमियम (प्रति वर्ष)	७०९	७०९	७०९
कुल ई		७०९	७०९	७०९
छात्रावासी (अ+ब+स+द+ई)		५१६०९	३१९०९	३१०५९
दिवाछात्र [अ+ब+स+ई]		३३००९	१३३०९	१२४५९

# मौलिक विज्ञान



तपस सिल (पीएचडी विश्व भारती)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: सैद्धांतिक परमाणु  
भौतिकी क्वांटम मैकेनिक्स



नवीन कुमार वत्स (पीएचडी आईआईटी दिल्ली)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ : फाइबर ऑप्टिक्स, सौर तापीय  
ऊर्जा आवेदन



शालू एम ए (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: ग्राफ सिद्धांत, रंग  
समस्याएं, एल्गोरिदम



विजयकुमार एस (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: कम्प्यूटेशनल  
जटिलता, एल्गोरिदम, मिश्रित अनुकूलन



प्रस्तावित कार्यक्रम डॉक्टरेट कार्यक्रम

# सण्गडक अभियांत्रिकी



मासिलामणि वी (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर  
विज्ञान, डाटा संरचनाओं और एल्गोरिदम



नूर मोहम्मद एसके (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: वीएलएसआई डिजाइन, एवल्वब्ले  
हार्डवेयर, ओपन फ्लो नेटवर्क, रेडियो डिजाइन  
सॉफ्टवेयर के लिए पुनः समनुरूप कंप्यूटिंग,  
सॉफ्टवेयर



सदगोपन एन (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: ग्राफ सिद्धांत, साहचर्य, डाटा  
संरचनाओं और एल्गोरिदम, कंप्यूटर नेटवर्क,  
डाटाबेस सिस्टम

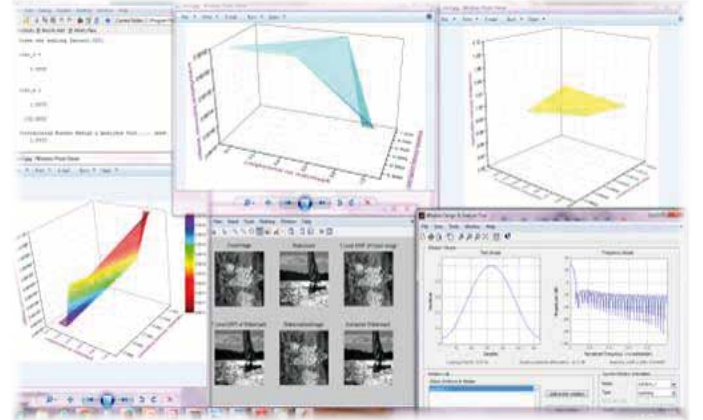
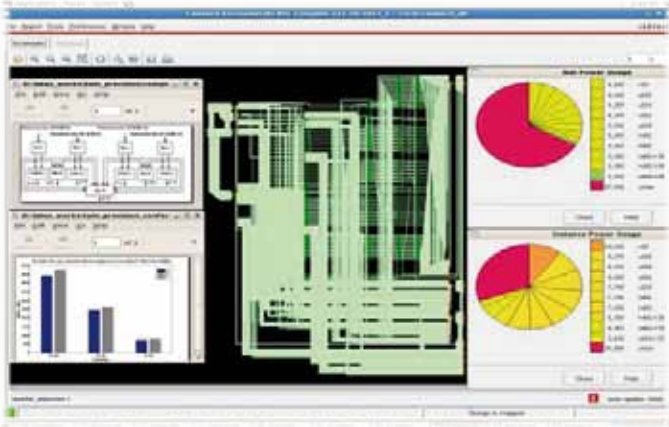
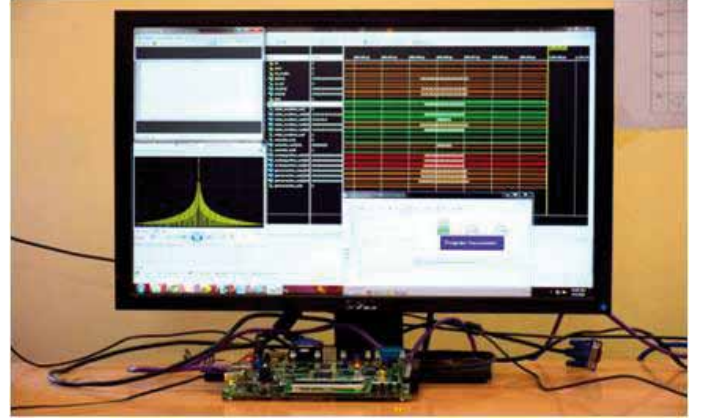
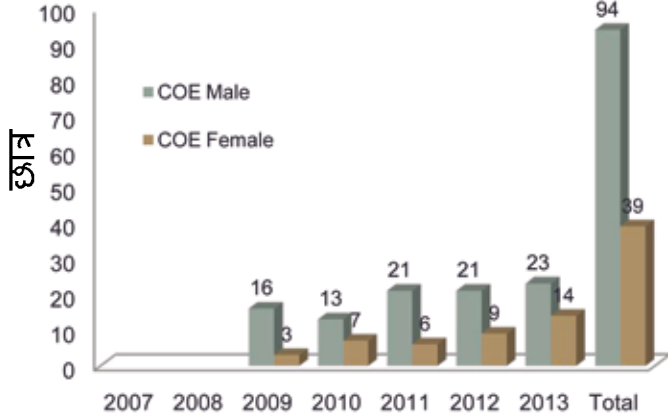


सिवसेलवन बी (पीएचडी एनआईटी त्रिची)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: ज्ञान और डेटा  
अभियांत्रिकी, मानव सण्गडक इंटरैक्शन

प्रस्तावित कार्यक्रम: बीटेक सण्गडक अभियांत्रिकी, डॉक्टरेट कार्यक्रम

# सण्गडक अभियांत्रिकी

## बीटेक सण्गडक अभियांत्रिकी



कुछ सुविधाएं...	
सण्गडक	<ul style="list-style-type: none"> <li>* फ्यूजिट्स/आईबीएम सिस्टम एक्स सर्वर</li> <li>* उच्च अंत जिऑन क्वाड कोर प्रोसेसर आधारित कार्यस्थानों</li> <li>* २ टी फ्लॉप निजी सुपर सण्गडक</li> </ul>
सॉफ्टवेयर/ ओएस	<ul style="list-style-type: none"> <li>* केडेन्स ईडा उपकरण, मैटलैब</li> <li>* कशीलींक्ष प्रोटोटाइप उपकरण</li> <li>* आर. एच. ई. एल.</li> </ul>
हार्डवेयर	<ul style="list-style-type: none"> <li>* एफ. पी. जी. ए. प्रोटोटाइप बोर्डों</li> <li>* माइक्रोप्रोसेसर किट</li> <li>* इंटरफेस कार्ड</li> </ul>



# सूक्ष्मकर्णिका अभियांत्रिकी



प्रभु के एम एम (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
प्रोफेसर - अवकाश प्राप्त  
अनुसंधान रुचियाँ: अंकीय संकेत प्रसंस्करण



प्रियंका कोकिल (पीएचडी एनआईटी इलाहाबाद)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ:  
अरैखिक. विलंबित. बहूआयामी सिस्टम



बिंसु जे. कैलाथ (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स और  
मेम्स मॉडलिंग प्रौद्योगिकी



सेल्वज्योति के (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स  
और ड्राइव, एफ.पी.जी.ए., डीएसपी  
नियंत्रण कलन विधि



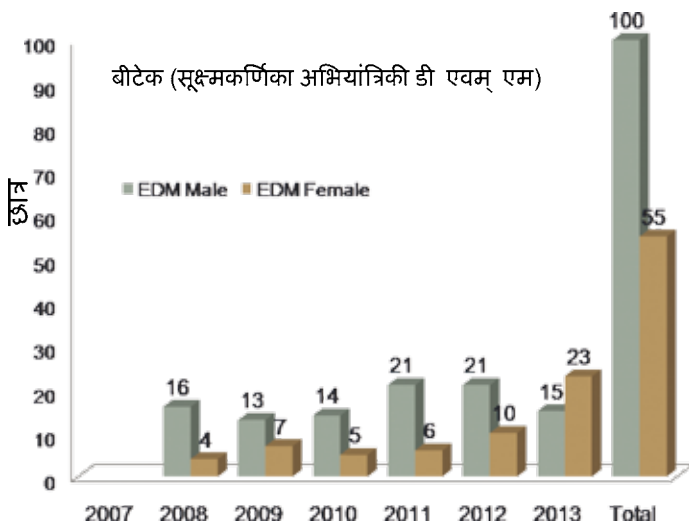
दामोदरन पी (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और  
ड्राइव



सेल्वाराज एम डी (पीएचडी आईआईटी दिल्ली)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: वायरलेस संचार, लुप्त होती  
चैनलों पर अंकीय संचार



कार्तिकेयन एस एस (पीएचडी आईआईटी गुवाहाटी)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: माइक्रोवेव निष्क्रिय  
उपकरण, माइक्रोस्ट्रिप आंटेन्स, मेटा मेटेरियल्स



## सुविधाएं

- ❖ आल्टेरा
- ❖ डी एस के ६७१३
- ❖ एम एस ओ एवम् डी एस ओ लेक्रॉय
- ❖ टेक्ट्रॉनिक्स
- ❖ ए एफ जी टेक्ट्रॉनिक्स
- ❖ फाइबर ऑप्टिका
- ❖ वी कॉम टी
- ❖ लैन ट्रेनर
- ❖ मिमाट्रॉनिक्स
- ❖ μ - कंट्रोलर
- ❖ μ - प्रोसेसर
- ❖ टी आइ डीएसपी बोर्ड
- ❖ एमएसपी ४३०
- ❖ नी एल्विस
- ❖ स्पार्टेन ३ई
- ❖ वेक्टर नेटवर्क
- ❖ अनलाइजर
- ❖ पीसीबी प्रोटोटाइपिंग
- ❖ केडेन्स
- ❖ कशीलीक्ष
- ❖ लैबव्यू
- ❖ आल्टेरा
- ❖ मेटलेव
- ❖ पीएसपाइस
- ❖ सीसी-स्टूडियो ३.३
- ❖ आइएआर सिस्टम
- ❖ एमएसएम
- ❖ आइ वेरिलोग
- ❖ टीसीएडी सिनापसिस
- ❖ अनसॉफ्ट एच एफ एस एस
- ❖ ए डब्ल्यू आर डिजाइन

## एम देस

		२०१०	२०११	२०१२	२०१३	कुल
सीडीएस	पुरुष	-	-	६	१५	२१
	महिला	-	-	१	०	१
ईडीएस	पुरुष	७	७	१२	१७	४३
	महिला	५	१	०	१	७

## प्रस्तावित कार्यक्रम

- बीटेक (सूक्ष्मकर्णिका अभियांत्रिकी डी एवम् एम)
- एम देस (इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली अभिकल्पना)
- एम देस (कम्युनिकेशन प्रणाली अभिकल्पना)
- डॉक्टरेट कार्यक्रम

# अभिकल्पना अभियांत्रिकी

## उद्देश्य

नए उत्पादों को विकसित करने के लिए रचनात्मक कौशल और विश्लेषणात्मक कौशल प्रदान करना।

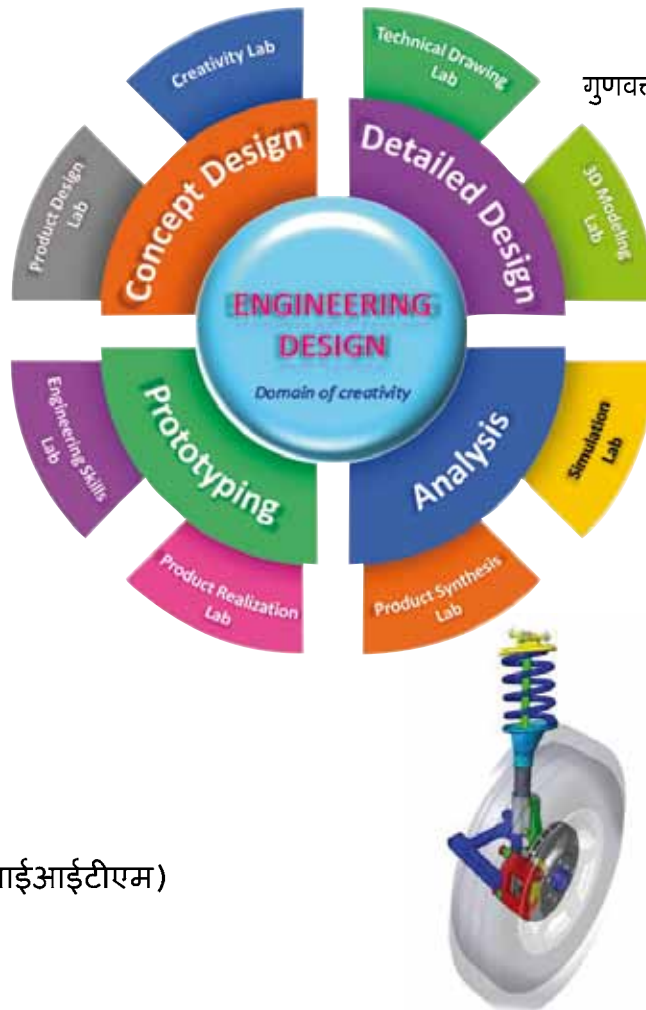
अवधारणा अभिकल्पना, विस्तृत अभिकल्पना, विश्लेषण और अनुरूपण के माध्यम से नए उत्पाद नमूना विकसित करने के लिए छात्र को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

अभिकल्पना अभियांत्रिकी में अनुकरण सॉफ्टवेयर की व्यावहारिक अनुप्रयोग प्रदर्शन।



## पाठ्यक्रमों की पेशकश

उन्नत इंजीनियरिंग अनुकरण १ एवम् २  
उत्पाद अवधारणा और मॉडलिंग  
उत्पाद डिजाइन और प्रोटोटाइप  
उत्पाद डिजाइन एवं विकास  
इंजीनियरिंग डिजाइन में अवधारणाओं  
गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए डिजाइन  
इंजीनियरिंग सिमुलेशन और द्वितीय  
औद्योगिक डिजाइन स्कैचिंग  
मशीन ड्राइंग अभ्यास  
जीवन चक्र प्रबंधन  
अभियांत्रिकी ग्राफिक्स  
डिजाइन इतिहास  
सौंदर्य और अर्गनॉमिक्स  
उत्पाद वसूली प्रैक्टिस



## उपलब्ध हार्डवेयर

३ डी प्रिंटर  
सीएनसी खराद  
सीएनसी रूटर  
३ डी स्कैनर  
ग्राफिक गोली  
पर्चा काटने की मशीन  
प्लास्टिक वेल्डिंग मशीन  
माइक्रो लकड़ी मोड़ खराद  
उच्च प्रदर्शन कार्यस्थानों



## कर्मचारी

गुरुनाथन सी (एम टेक आईआईटीएम)  
तकनीकी अधिकारी  
विश्वेशरन ए.  
मणिकंदन जी.

## उपलब्ध सॉफ्टवेयर



# यांत्रिक अभियांत्रिकी



प्रोफेसर न्यानमूर्ति आर (डॉ. अभियंता जापान)  
अनुसंधान रुचियाँ: यांत्रिक डिजाइन और  
विनिर्माण, भूतल अभियांत्रिकी



शाहुल हामिद खान (पीएचडी एनआईटी त्रिची)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: मल्टी उद्देश्य  
अनुकूलन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन



जयवेल एस (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: द्रव और थर्मल विज्ञान, संगणना  
तरल गतिकी.



श्री कुमार एम (पीएचडी आईआईटी मद्रास)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: रोबोटिक,  
तंत्र, स्मार्ट सामग्री,  
फजी नियंत्रण



पन्दिथेवन पी (पीएचडी आईआईटी गुवाहाटी)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: सीएडी / सीएएम, बिओमिमेटिक  
डिजाइन, ऊतक अभियांत्रिकी



गुरुनाथन सी (एम टेक आईआईटी मद्रास)  
तकनीकी अधिकारी  
अनुसंधान रुचियाँ: यांत्रिक  
अभिकल्पना, अभियांत्रिकी विश्लेषण और  
सिमुलेशन, सामग्री एवं डिजाइन



राजा बी (पीएचडी सी ई जी, अन्ना विश्वविद्यालय)  
सहायक प्रोफेसर  
अनुसंधान रुचियाँ: प्रायोगिक थर्मल और तरल पदार्थ  
विज्ञान, नानोफ्लुइड्स

## प्रस्तावित कार्यक्रम

- बीटेक (यांत्रिक अभियांत्रिकी डी एवम् एम)
- एम देस (यांत्रिक सिस्टम अभिकल्पना)
- डॉक्टरेट कार्यक्रम

जी ४५०  
मुद्रक



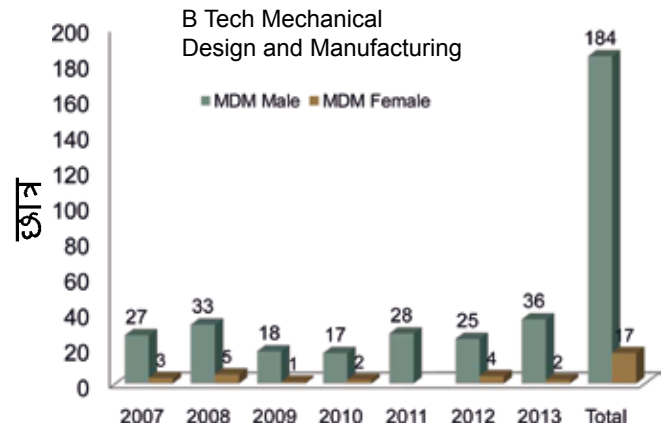
हवा सुरंग



सी  
एम  
एम



यू टी  
एम



एम देस

		२०१०	२०११	२०१२	२०१३	कुल
एम डी	पुरुष	५	८	१२	१७	४२
एस	महिला	०	०	१	०	१

## संस्थान पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय अत्याधुनिक आरएफआईडी सॉफ्टवेयर कोहा का संस्करण उपलब्ध कराता है। सॉफ्टवेयर प्रत्येक दिन की गतिविधियों का कुशल प्रबंधन जैसे किताब जारी करना, वापसी, और उपयोगकर्ता खाता प्रबंधन इत्यादि करता है। कोई भी पंजीकृत उपयोगकर्ता वाईफ़ाई का उपयोग कर परिसर के भीतर कहीं से पुस्तकालय का उपयोग कर सकता है। संस्थान भारतीय राष्ट्रीय अंकीय पुस्तकालय (इंडेस्ट) संघ के प्रमुख सदस्यों में से एक है।



संसाधन	संख्या
२७ मार्च २०१४ की स्थिति के अनुसार किताबों की कुल संख्या	३५८९
पुस्तकों की कुल संख्या (०१ अप्रैल २०१३ से ३१ मार्च २०१४) जो पिछले एक वर्ष में खरीदे गयी हैं।	७१०
जर्नल्स/पत्रिकाओं (मुद्रित संस्करण)	२९
समाचार पत्र	०५
सीडी-रोम/डी वी डी	३६२
शोध प्रबन्ध/शोध निबंध	९७
ई पत्रिकाए- (एल्सेवियर विज्ञान प्रत्यक्ष १७५ + आईईईईई एकस्प्लोर ४१५)	५९०
निःशुल्क	८३



## वित्त पोषित परियोजनायें

वेवलेंथ इंटरलीविंग और तापमान संवेदन अनुप्रयोगों के लिए सभी फाइबर इंटरफरॉमीटर के अभिकल्पना, विकास और विशेषता

प्रधान अन्वेषक: नवीन कुमार  
 प्रायोजक : डीएसटी  
 अवधि : ३ वर्ष  
 मूल्य : १६.९२ लाख

इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों में बढ़ाया एयर क्लिंग की डिजाइन, विकास और प्रदर्शन मूल्यांकन

प्रधान अन्वेषक: एस.जयवेल  
 प्रायोजक : डीएसटी  
 अवधि : २ वर्ष  
 मूल्य : १५.०५ लाख

तारविहीन उच्च गति डाटा संचरण तकनीक का ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में पहुंच स्थापित करना

प्रधान अन्वेषक : एम. डी. सेल्वाराज  
 प्रायोजक : यूकेआईआईआरआई  
 अवधि : २ वर्ष  
 मूल्य : २०,००० ब्रिटेन पाउंड

डीएसटी परियोजना: पवन सुरंग प्रयोगात्मक व्यवस्था



# शोध प्रकाशन २०१३-१४

## प्रकाशित पुस्तक

प्रोफेसर के. एम. एम प्रभु (संस्थान के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पूर्व प्रोफेसर) सीआरसी प्रेस के माध्यम से "सिग्नल प्रोसेसिंग में खिड़की कार्यों और उनके अनुप्रयोग" शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की है।

## अनुसंधान प्रकाशन

बी मधेवन और एम. श्रीकुमार, ट्रैकिंग आल्गरिदम यूजिंग लीडर फॉलोवर अप्रोच फॉर मल्टी रोबोट्स, जर्नल ऑफ प्रोसेडिया इंजिनियरिंग-एल्सेवियर, वॉल. ६४, १४२६-१४३५, २०१३।

एस.एन. कीर्ति सागर और एम श्रीकुमार, मिनियेचुराइज्ड फ्लो पंप यूजिंग स्मा अकटुआतोर, जर्नल ऑफ प्रोसेडिया इंजिनियरिंग-एल्सेवियर, वॉल. ६४, ८९६-९०६, २०१३।

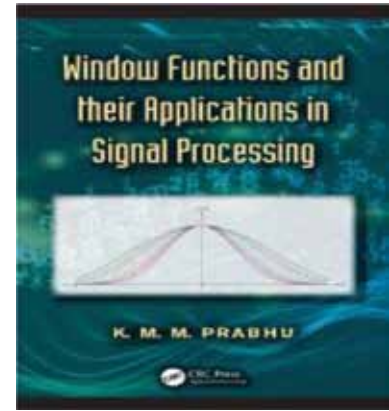
स्वामीनाथन आर, एम.डी. सेल्वराज, और आर.रॉय "सहसंबद्ध लिंक के साथ सहकारी विविधता प्रणाली के लिए मप योजना का सटीक त्रुटि विश्लेषण", आईईईईई संचार पत्र, वॉल १८(२), २७३-२७६, २०१४।

नितिन श्रीनिवासन और एम.डी. सेल्वराज "एम आर पीएसके सहकारी विविधता प्रणालियों के लिए संकेत के साथ विलोपन आधारित त्रुटि विश्लेषण", ग्लोब कॉम की कार्यवाही, यूएसए दिसम्बर २०१३।

कंजर डे और मासिलमनी वी., "संदर्भ छवि गुणवत्ता को मापने पर आधारित एक स्थानिक डोमेन वस्तु सेपेरबिलिटी, मतलब और विचरण का उपयोग बिना", छवि और ग्राफिक्स के इंटरनेशनल जर्नल, वॉल., १३(२), २०१३।

स्वामीनाथन आर, राजर्षि राय, और एमडी सेल्वराज "सहकारी विविधता प्रणालियों के लिए संयोजन ट्रिपल सहसंबद्ध चयन का प्रदर्शन विश्लेषण", आईईईईई आईसीसी की प्रोक, हंगरी, जून २०१३।

स्वामीनाथन आर, एमडी सेल्वराज, और राजर्षि राय "सहसंबद्ध लिंक के साथ सहकारी विविधता के लिए नेका बी एफ एस के की त्रुटि विश्लेषण", वायरलेस, फिनलैंड, अप्रैल 2013 के लिए सिस्टम और नेटवर्क अनुकूलन पर चौथी नॉर्डिक कार्यशाला।



कंजर डे और मासिलमनी वी, डिजाइन और विनिर्माण (आइ कॉन डी एम २०१३), प्रोसेडिया इंजीनियरिंग, वॉल्यूम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आवृत्ति डोमेन में धुंधला छवियों के लिए छवि तीक्ष्णता उपाय" ६४, १४९-१५८, २०१३।

कंजर डे और मासिलमनी वी, "स्थानिक डोमेन में धुंधला छवियों के लिए एक नई बिना, संदर्भ छवि गुणवत्ता को मापने," छवि के जर्नल और ग्राफिक्स, वॉल. १ (१), ३९-४२, २०१३।

डी.के. शीना क्रिस्टी, वी मासिलमनी और डी. डी. थॉमस, "आईएसओ सरणी Splicing व्याकरण सिस्टम", सिद्धांतों और अनुप्रयोग (बीआईसी-टीए) इंटेलिजेंट सिस्टम और कम्प्यूटिंग जैव प्रेरित कम्प्यूटिंग पर ७ वी इंटरनेशनल सम्मेलन, स्पिंगर, १५७-१६७, २०१३।

सिद्धार्थ के बी, एस प्रवीण, बी राजा और पी दामोदरन, मापन, वॉल्यूम "एकल और दोहरी तार क्षणिक तकनीक का उपयोग कर तरल पदार्थ की तापीय चालकता का मापन". ४६ (८), २७४६-२७५२, २०१३।

अब्दुल मजीद केके और बिंसु जे कैलथ, प्रोसेडिया इंजीनियरिंग, "एक उच्च आवृत्ति पी एल एल डिजाइन के लिए एक यूनीक चरण आवृत्ति डिटेक्टर". ३८४, २०१३ - ६४, ३७७।

अब्दुल मजीद केके और बिंसु जे कैलथ, "कम बिजली, उच्च आवृत्ति, एक पल्ल डिजाइन के लिए नि: शुल्क मृत जोन पपद, फाइबले तनाव फाइबले कॉसॉमटेईओ, आईईईईई का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पेरिस, जून २०१३।

अब्दुल मजीद केके और बिंसु जे कैलथ, "एक उच्च आवृत्ति पी एल एल डिजाइन के लिए एक उपन्यास चरण आवृत्ति डिटेक्टर" इंटरनेशनल सम्मेलन डिजाइन और विनिर्माण, आइ कॉन डी एम २०१३, चेन्नई, जुलाई २०१३।

## अनुसंधान प्रकाशन (जारी...)

के वी फणी कुमार और एस एस कार्तिकेयन, "अपूर्णता मिक्रोस्ट्रीप संरचना और तह तकनीक का उपयोग उपन्यास डिजाइन चूहा की रेश युग्मक, आईईईई एप्लाइड विद्युतचुंबकीय सम्मेलन, भुवनेश्वर, नवंबर २०१३।

शाहुल हामिद खान, "मॉडलिंग और मल्टी सोपानक गतिशील सतत आपूर्ति श्रृंखला का अनुकरण", २० वीं इंटरनेशनल बिजनेस रिसर्च सम्मेलन, विश्व व्यापार संस्थान, संयुक्त अरब अमीरात, अप्रैल २०१३।

शाहुल हामिद खान, संतोष और विमल "ग्रीन आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए आनुवंशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग कर एक बहु उद्देश्य अनुकूलन". औद्योगिक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के क्षेत्र में अग्रिम पर दूसरा इंटरनेशनल सम्मेलन (२०१४ आइ सी ए आइ ई ए), चेन्नई, जनवरी, २०१४।

साई कुमार के, विमल के.एम., संतोष एस, और शाहुल हामिद खान बी "एक विनिर्माण उद्योग के एक बहु उद्देश्य के लिए हरी आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क के लिए नकली एनीलिंग", विज्ञान और अभिनव इंजीनियरिंग पर इंटरनेशनल कांग्रेस की प्रो., चेन्नई, २०१४।

आर. कृतिका, रोजर्स मॅत्यू, एन.एस.नारायणस्वामी, और एन.सदगोपन : एक डोरी का रेखांकन की एक डिराक प्रकार के लक्षण वर्णन. असतत गणित, ३१३(२४): २८६५-२८६७, २०१३।

डी.के. शीना क्रिस्टी, वी. मासिलमनी, डी. जानराज थॉमस, अतुल्या नगर और टी. रॉबिनसन, सरणी व्याकरण से उत्पन्न ऐरे भाषाएँ पर साधा, एप्लाइड गणित के इंटरनेशनल जर्नल (प्रेस में)।

पन्दिथेवन. पी, "ऊतक इंजीनियरिंग पाइ की स्तरित निर्माण के लिए nurbs के आधार पर आकार संशोधन में त्रुटि न्यूनतम", इंटरनेशनल आडिटिव विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन (ए एम - २०१३), बेंगलोर, अक्टूबर २०१३।

पन्दिथेवन. पी, "नर्बस के लिए वजन के इष्टतम आबंटन फिटिंग सतह", कंप्यूटर पर इंटरनेशनल सम्मेलन का प्रोक एडेड इंजीनियरिंग (सी ए ई- २०१३), ८५४-८५९, चेन्नई, दिसंबर २०१३।

नवीन कुमार, के रामचंद्रन और वेंकटरमण साहू, "माइक्रो फाइबर मच-जैडर इंटररफरॉमीटर मौजूदा सेंसर", इंटरनेशनल प्रकाशिकी और लेजर पर सम्मेलन (आइ सी ओ एल २०१४), २०१४ मार्च।

नवीन कुमार और के रामचंद्रन, "इन्टरगेशन ऑफ मच-जैडर इंटररफरॉमीटर ई डी एफ ए का लाभ समीकरण के लिए फाइबर पाश दर्पण के अंदर' इंटरनेशनल प्रकाशिकी और लेजर पर सम्मेलन (आइ सी ओ एल २०१४), २०१४ मार्च।

शालू एमए, और देवी यामिनी एस, सत्ता स्थापित रेखांकन में अधिक से अधिक स्वतंत्र सेट गिनती, मिश्रित गणित और (प्रेस में) मिश्रित कम्प्यूटिंग के जर्नल।

आर सेंथिल कुमार और एस जयवेल, अभिविन्यास और प्रभावी गर्मी हस्तांतरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की ज्यामिति अनुकूलन, इंटरनेशनल सम्मेलन का प्रोक मैकेनिकल इंजीनियरिंग और अंतःविषय विकास, इकरमिड मार्च २०१४ में हाल के अग्रिमों पर।

वाई उषा और एस जयवेल, एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली में प्रवाह दर और गर्मी हस्तांतरण पर घटक रिक्ति के प्रभाव, इबिद।

एस थिरुमावलवन और एस जयवेल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और अंतःविषय विकास, इकरमिड मार्च २०१४ में हाल के अग्रिमों पर इंटरनेशनल सम्मेलन का प्रोक बायोडीजल के उत्पादन के लिए निरंतर रिएक्टर प्रणाली के डिजाइन।

एन सत्यनारायणन, एस जयवेल और तेवकलिस निकोलेदिस, स्थिरता और एक दो स्पूल गैस टरबाइन हवाई इंजन के प्रदर्शन के विश्लेषण, इबिद।

एस सतीश कुमार, आर सेंथिल कुमार और एस जयवेल , इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए मजबूर संवहनी ठंडा करने की संख्यात्मक जांच, २२ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय और ११ वीं इंटरनेशनल आइ एस एच एम टी -एएसएमई हीट और स्थानांतरण मास सम्मेलन, एच एम टी सी' १३ दिसम्बर २०१३।

जी कलैज्ञानाम, के स्वप्ना, बी नवीन और एस जयवेल, घरेलू एयर कंडीशनरों के लिए सीधे संपर्क हीट एक्सचेंजर की प्रायोगिक द्रव यांत्रिकी पर जांच, द्रव यांत्रिकी और द्रव बिजली का ४० वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, एफ एम एफ पी, दिसंबर २०१३।

एन. सत्यनारायणन, एस. जयवेल और तेवकलिस निकोलइडिस, गैस टरबाइन हवाई इंजन के बंद डिजाइन प्रदर्शन सिमुलेशन, इबिद।

एस सतीश कुमार, आर सेंथिल कुमार और एस जयवेल , विभिन्न सिलेंडर ज्यामिति पिछले प्रवाह की संगणना, एप्लाइड मैकेनिक्स पर भारतीय सम्मेलन (आइ एन सी ए एम ), जुलाई २०१३।

# अनुसंधान प्रकाशन (जारी...)

एमआर ऐन्डर्स, एस क्षोमो और तापस सिल, "40Ca और 48Ca में विशालकाय अनुनादों". फी रिट्यू सी के मानसिक में प्रकाशन के लिए स्वीकार।

पी के बेरा और तापस सिल, "समय पर निर्भर एक हार्मोनिक थरथरानवाला के लिए फाइनबर्ग-होरोडेव्की समीकरण का सटीक समाधान" प्रमना में प्रकाशन के लिए स्वीकार।

के अरुण, और के सेल्वज्योति, "पर्यवेक्षक आधारित वर्तमान एकल चरण ग्रिड इन्वर्टर कनेक्टेड नियंत्रित-प्रोसेडिया इंजीनियरिंग, एल्सेवियर, वॉल. ६४, ३६७-३७६, २०१३।

के अरुण और के सेल्वज्योति, कनेक्टेड ग्रिड के नियंत्रण कम्पोजिट प्रेक्षक का प्रयोग सिंगल फेज इन्वर्टर, नियंत्रण, संचार और कम्प्यूटिंग पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आइ सी सी), तिरुवनंतपुरम, दिसंबर २०१३।

नवीन कुमार, के रामचंद्रन, वेंकटरमण साहू, और वी राज कौटि, "संवेदन अनुप्रयोगों के लिए लेबी पतला फाइबर और माइक्रो मच-जेंडर इंटरफरोमीटर का निर्माण", इंटरनैशनल प्रकाशिकी और लेजर पर सम्मेलन (आइ सी ओ एल २०१४), २०१४ मार्च।

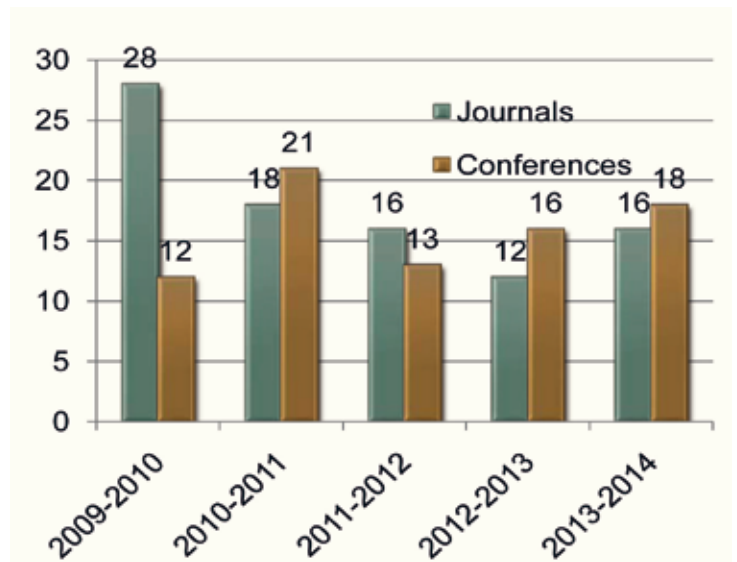
कंजर डे और मासिलमनी वी, "मतलब और वारिएनसे का उपयोग बिना, संदर्भ छवि गुणवत्ता को मापने पर आधारित एक स्थानिक डोमेन वस्तु सेपेरबिलिटी", वीडियो और मीडिया (आइ सी वी एम २०१३), थाईलैंड, मई २०१३ को इंटरनैशनल सम्मेलन।

नवीन कुमार, "तापमान अंतर पर एकशेरगी और ऊर्जा की मात्रात्मक निर्भरता", प्रोक. ऊर्जा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2013 आइ सी ए ई आर) की, १२०-१२५, दिसम्बर २०१३।

नवीन कुमार और के रामचंद्रन, एक ई डी एफ ए का लाभ समीकरण के लिए एक उपन्यास इंटरफेरोमेट्रिक तकनीक", डब्ल्यू आर ए पी २०१३, दिसम्बर २०१३।

कृष्णा सी, मोहित एस, सौम्य जैन और बी सिवसेल्वन, संज्ञानात्मक कारकों पर आधारित उपन्यास केंचा डिजाइन, सीएनसी २०१४, एसीईईई, एल्सेवियर, चेन्नई, फ़रवरी २०१४।

## Research Publications: From 2009 to 2014



संकाय की संख्या २०

## सम्मान एवं मान्यताएं

यांत्रिक इंजीनियर्स की जापानी सोसायटी (जे एस एम ई) ने प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति को मान्यता प्राप्त यांत्रिकी अभियांत्रिकी के क्षेत्र के अधिकारियों में से एक माना है और कई जे एस एम ई पत्रिकाओं के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में पद की पेशकश (२०१३-१४) की।

प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति ने शिक्षा और अनुसंधान में योगदान के लिए ८ मार्च, २०१४ को सीआईटी, कोयंबटूर द्वारा अलूमीनौस पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति ने मई २०१३ को सूर्या समूह के प्रथम स्नातक दिवस पर दीक्षांत भाषण दिया और छात्रों को डिग्री से सम्मानित किया।

प्रोफेसर आर न्यानमूर्ति ने २१ जनवरी २०१४ को अन्ना विश्वविद्यालय टिंडीवनम कैम्पस के घटक कॉलेजों के स्नातक दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

हमारे संकाय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में समीक्षकों के रूप में सेवा करते हैं।





# आमंत्रित वार्ता / अतिथि व्याख्यान

एम. श्री कुमार, ऊर्जा पर आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्थिरता (आइ सी सी ई ई टी एस'१३) के लिए कुशल प्रौद्योगिकियों, नागरकोइल, १०-१२ अप्रैल २०१३ "स्मार्ट अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट सामग्री" पर कुंजी नोट भाषण।

एम. श्री कुमार, "मैकेनिकल और मेकट्रॉनिक्स प्रणाली में स्मार्ट सामग्री के नए अनुप्रयोगों, पर मैकेनिकल, मेकट्रॉनिक्स और बिल्डिंग विज्ञान (नसम्म्ब्स २०१३), २५ अप्रैल २०१३ में नवाचार पर राष्ट्रीय में कुंजी नोट भाषण दिया।

एम. श्री कुमार, "समानांतर तंत्र, आज्ञाकारी तंत्र और स्मार्ट सामग्री", वेल टैक विश्वविद्यालय, चेन्नई, अगस्त २०१३ को व्याख्यान दिया।

एम. श्री कुमार, प्रोस्थेटिक और ओर्थोटिक अनुप्रयोग में स्मार्ट सामग्री पर दो दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम, मार्च २०१४ में "प्रतिक्रिया और नियंत्रण, बुद्धिमान उपकरणों और बिओमिमेटिक्स और बिओमिमेटिक्स, प्रोस्थेटिक्स, और ओर्थोटिक में विभिन्न स्मार्ट सामग्री के आवेदन करने के लिए परिचय" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

वी. मासिलमनी, सिंटेक्स निर्देशित अनुवाद, आरएमके इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई, १५ फ़रवरी २०१४ पर एक बात की।

वी. मासिलमनी ने "एक शाखा है और बन्धे" पर आरएमके इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई, में १ मार्च, २०१४ को एक बात की।

वी. मासिलमनी ने १५ मार्च २०१४ को "संकलक डिजाइन में ऑटोमेटा सिद्धांत और औपचारिक भाषाओं के अनुप्रयोग", गणित पर राष्ट्रीय सम्मेलन और कंप्यूटर अनुप्रयोग, महिला क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई में एक मुख्य भाषण दिया।

वी. मासिलमनी ने "समाधेयता और शिक्षणीयता", वेलाम्मल इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, में १७ मार्च २०१४ को एक चर्चा की।

एस एस कार्तिकेयन ने "मेटेटेरियल्स और इसके अनुप्रयोगों", पर राष्ट्रीय सम्मेलन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, कुंभकोणम, २ अप्रैल २०१३ को एनाई कॉलेज में एक मुख्य भाषण दिया।

एस एस कार्तिकेयन ने २५ जनवरी २०१४ को वी आई टी विश्वविद्यालय, चेन्नई में "वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोवेव उपकरणों के आकार के लघु रूपांतरण" पर बात आमंत्रित व्याख्या दी। एस एस कार्तिकेयन ने १७ मार्च २०१४ को इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, चेन्नई, की अग्नि कॉलेज में "विशेष एंटेना" पर बातचीत की।

शालू एमए, "मॉड्यूलर अपघटन और सी२ में शामिल होने" गणितीय तकनीक और इसके अनुप्रयोगों के राष्ट्रीय सम्मेलन, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, ६ जनवरी, २०१४।

नवीन कुमार, "सौर ऊर्जा संचय ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से," हाल के अग्रिमों पर कार्यशाला २०१३ फोटोनिक्स (चादर), आईआईटी दिल्ली, १७-१८ दिसम्बर, में आमंत्रित बात की।



# आयोजित कार्यशालायें



## आरएफ और वायरलेस संचार जून २०१३ में अनुसंधान चुनौतियों पर कार्यशाला

आरएफ और बेतार संचार के क्षेत्र में अनुसंधान चुनौती पर एक दो दिवसीय कार्यशाला सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी से डॉ. एमडी सेल्वाराज और डॉ. एस कार्तिकेयन द्वारा समन्वित की गयी। कार्यशाला ने देश भर से ७५ के आसपास प्रतिभागियों को आकर्षित किया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर अमिताव दास गुप्ता, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास द्वारा किया गया। मेहमान और आमंत्रित व्याख्यान आईआईटी मद्रास, एनआईटी त्रिची, टाटा एलेक्शी और मेजबान संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए। कार्यशाला सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित की गयी थी और संयुक्त रूप से आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम और एम/एस रोड एवम् शॉर्ट्स भारत द्वारा आयोजित की गयी थी। प्रतिभागियों को आरएफ और बेतार संचार में हाल के मुद्दों और अनुसंधान के रुझान से अवगत कराया गया और कार्यशाला वार्ता से शिक्षाविद और उद्योग जगत से प्रतिभागियों अच्छी तरह से लाभान्वित हुए थे।



## जून २०१३ रोबोटिक्स पर एक सप्ताह की एस टी टी पी

एक सप्ताह का रोबोटिक और स्मार्ट सामग्री प्रौद्योगिकी में व्यावहारिक दृष्टिकोण पर शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कार्यक्रम (एस टी टी पी ) २४-२८ जून २०१३ के दौरान आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम द्वारा आयोजित किया गया था। २३ प्रतिभागियों ने जिनमे भारत भर में विभिन्न संस्थानों से दोनों संकायों और शोध छात्रों ने भाग लिया। आईआईटी, आईआईआईटीडीएम, आईजीसीएआर, एसईआरसी-सीएसआईआर और एनआई, बेंगलोर और जीएसएम से भी औद्योगिक विशेषज्ञों के विशेषज्ञों, बेंगलोर अंडरवाटर रोबोटिक्स, स्मार्ट सामग्री मॉडलिंग और अनुप्रयोग, स्मार्ट सामग्री की संरचनात्मक अनुप्रयोगों, सेंसर एकता डाटा अधिग्रहण का उपयोग लैबव्यू, परमाणु अनुप्रयोगों और रोबोट नियंत्रण में रोबोट और जैसे विशेष क्षेत्रों में व्याख्यान दिया है। डॉ. एम श्रीकुमार कार्यक्रम के समन्वयक थे।

# कार्यशालायें एवं प्रशिक्षण

## तेजी से उत्पाद विकास और विनिर्माण में चुनौतियां, जुलाई २०१३

पूरे भारत से सत्तर प्रतिभागियों ने तेजी से उत्पाद विकास के क्षेत्र में नई तकनीकों को जानने के लिए भाग लिया। आईआईटी मद्रास से डॉ. जी. सर्वाणा कुमार इस घटना के मुख्य अतिथि थे और जिन्होंने तेजी से उत्पाद विकास में रिवर्स इंजीनियरिंग पर एक चर्चा की। चूंकि ज्यामितीय मॉडलिंग डिजाइन और विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षेत्र है, इसलिए आईआईटी मद्रास से डॉ. एम. रामनाथन को तेजी से उत्पाद विकास में ज्यामितीय मॉडलिंग पर एक बात कहने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा कुछ और बोलने वालों ने समकालीन दृष्टिकोण के साथ उत्पाद डिजाइन से संबंधित चर्चा की। कार्यशाला सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित और डॉ. पी. पन्दिथेवन द्वारा समन्वित की गयी थी।

## शोध प्रशिक्षण

एक महीने के अनुसंधान प्रशिक्षण प्रोग्राम जून २०१३ के दौरान सन्नगडक अभियांत्रिकी अनुशासन द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को देश भर में इंजीनियरिंग संस्थानों से उज्ज्वल स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को आकर्षित करने के उद्देश्य से किया गया था। ६०० से अधिक आवेदन प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों से प्राप्त हुए थे और लगभग ५० आवेदन पत्र सभी प्रतिभागियों विशिष्ट विषयों में परियोजनाओं के अलावा, प्रशिक्षु की प्रस्तावित क्षेत्रों में बुनियादी अवधारणाओं से अवगत कराया गया। इन सभी को सन्नगडक अभियांत्रिकी संकाय द्वारा चुना गया और मार्गदर्शन दिया गया। अनुसंधान के क्षेत्रों में इमेज प्रोसेसिंग, ग्राफ सिद्धांत, कंप्यूटर वास्तुकला, डाटा माइनिंग, ओपन फ्लो नेटवर्क आदि शामिल थे।

यह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण भागीदारी और अनुसंधान इंटरन के शामिल होने के कारण अपने पहले वर्ष में ही एक भव्य सफलता थी।



## आयोजित सम्मेलन



### प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आइ सी ओ एन डी एम २०१३

अभिकल्पना और निर्माण पर केंद्रित अभिकल्पना एवं विनिर्माण पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, १८-२० जुलाई, २०१३ के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था। इसका उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. मयेयो जॉप्पी, जेनोवा, इटली के विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था और इस कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान में इटली से पी नीतीयरासू, स्वानसी विश्वविद्यालय (ब्रिटेन), प्रोफेसर गेराल्ड सीट, नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सिंगापुर) और प्रो रविंदर दहिया के व्याख्यान थे। सम्मेलन में विश्व स्तर पर ५१९ शोध पत्रों को आकर्षित किया जिनमें से ५१४ शोध पत्रों की समीक्षा की गयी। १७३ शोध पत्रों को प्रोसेडिया इंजीनियरिंग के जर्नल के एक विशेष मुद्दे के रूप में एम/एस एल्सेवियर प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित में प्रस्तुति और प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया।

हर रोज का सत्र एक मुख्य भाषण के बाद लेखकों द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ। सम्मेलन को संबंधित धाराओं में डिजाइन और उत्पादों के निर्माण में शामिल अनुसंधान के मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के साथ सन्नगडक, सूक्ष्मकणिका, और यांत्रिक अभियांत्रिकी से शोध पत्रों को आकर्षित किया।



# छात्र उपलब्धियां

आनंद विजयराघवन और रमेश कृष्णन ने गर्मियों २०१३ के दौरान सूचना, जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप किया था. वे एम. पी. आइ. पर सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान समूह का हिस्सा थे. ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप डा.आ.आ.डा. जर्मनी द्वारा समर्थित किया गया।

आईआईटी दिल्ली द्वारा फ़रवरी २०१४ में आयोजित पॉलिमर पर एपीए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान और अभिनव में "एक नई विधि बहुलक आधारित गियर्स की सेवा के जीवन में सुधार करने के लिए" के प्रस्तुति के लिए - सौरव वर्मा ने बेस्ट पोस्टर अवार्ड प्राप्त किया। उसके सह लेखक आईआईटी गुवाहाटी से जे मेर्सेस और एस सेंथीलवेलन हैं।

सिद्धार्थ अग्रवाल, सैईकुमार बट्टानोजू, अज्हुकू शक्ति वेल एसीएम ने चेन्नई प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता

प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन करने वाले छात्र

इलंभारती कन्नीयाह

एम एस कोलंबिया यूनिवर्सिटी

निवेदिता रवींद्रन

एम एस जॉर्जिया टेक

सुरभि जैन

एम एस ओहाइयो स्टेट यूनिवर्सिटी

आनेस फ़रुकुई

एम एस परड्यू यूनिवर्सिटी

राम्या रमेश

एम एस यूनिवर्सिटी सदरन कैलिफॉर्निया

स्वप्ना

एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस

चिरंजीवी

एम एस अरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी

अंजन

एमएस जॉर्जिया टेक

वेंकटरमण साहू,

पीएचडी एन सी टी यू

ताइवान.

अमित कुमार

पीएचडी एनटीयू ताइवान.

प्रवीण एस ए एच ओ

आईआईटीएम पीएचडी

अरुण, आईआईएम त्रिची

शक्ति सलिंग्राम, आईएसबी

हैदराबाद, यंग इंडिया फ़ैलोशिप

प्रवीण, आईआईटीएच पीएचडी

गणेश, आईआईटीके पीएचडी

उमेश, आईआईटीएम पीएचडी



# स्थानिकीकरण और प्रशिक्षण

आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम ने पिछले साल एक उत्कृष्ट स्थानिकीकरण अभियान देखा। लगभग ८०% छात्रों को परिसर के माध्यम से स्थानिकीकरण मिला।



# उद्योग समन्वय



उद्योग जगत के साथ पारस्परिक व्यवहार बढ़ाने, नये आयामों पर चर्चा के लिए उद्योग संस्थान पारस्परिक व्यवहार मिलन १७ मई २०१३ को आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम के परिसर में आयोजित किया गया था। विभिन्न उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और संभावित पारस्परिक व्यवहार पर सलाह दी।

तीसरे वर्ष के यांत्रिक अभियांत्रिकी धारा के बी टेक के छात्रों ने १३ नवंबर, २०१३ को बीएमडब्ल्यू इंडिया प्राइवेट महिंद्रा वर्ल्ड सिटी, चेन्नई का दौरा किया। दौरे में बीएमडब्ल्यू में अद्वितीय पहलुओं और समन्वय के विवरण से अवगत कराया गया है जो हमारे छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुआ।

एम/एस दन्फॉस्स इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड, शॉलिंगनअल्लुर (वातानुकूलन संबंधित उपकरणों के निर्माता) का फरवरी २०१४ के महीने में औद्योगिक दौरा किया गया। यह यात्रा पुनः यांत्रिक अभियांत्रिकी धारा के तीसरे वर्ष के बीटेक छात्रों ने की।

एम/एस डेल इंडिया प्रा. लिमिटेड, श्रीपेरुमबुदुर का औद्योगिक दौरा सूक्ष्मकणिका अभियांत्रिकी के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के बीटेक के छात्रों द्वारा २८ फरवरी २०१४ को किया गया।

एम/एस मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, मनाली, चेन्नई का औद्योगिक दौरा बीटेक अंतिम वर्ष के सभी धाराओं के छात्रों द्वारा ३ मार्च २०१४ को किया गया।



## छात्र क्रियाएँ

### समगाथा

समगाथा, संस्थान का वार्षिक सांस्कृतिक और तकनीकी उत्सव का मार्च २०१४ के दौरान चौथे संस्करण का एक भव्य तरीके से आयोजन किया गया। एक अंतर संस्थान घटना विभिन्न तकनीकी और कुलत्रूल घटनाओं के लिए पंजीकरण की बड़ी संख्या के साथ इस वर्ष के छात्र समुदाय से अच्छी प्रतिक्रिया रही। इसमें कुल १३ कार्यक्रम थे जिसमें एनगीनेर्द, ईगणोबेल, लाइव वायर, कोडिंग, रोबोटिक, आदि और कोलाज, बहस, फोटोग्राफी, ग्रे रंग के, लघु फिल्म इत्यादि थे। इस संस्करण ने एक भव्य सफलता देखी।



### रूपकार के संघ

संस्थान की दृष्टि के हिसाब से, नवीन उत्पाद अभिकल्पना और विकास में उत्कृष्टता के लिए बी. टेक. और एम. डेस. पाठ्यक्रम के सन्गणक, सूक्ष्मकणिका एवं यांत्रिकी अभियांत्रिकी अनुशासन के छात्रों ने अंतःविषय उत्पाद विकास गतिविधियों में भाग लिया। इन वर्षों में, इस पाठ्यक्रम के तहत कई रोचक और नवीन विचारों और उत्पादों का जन्म हुआ है। उत्पादों में 'कृत्रिम आँख- ब्लाइंड के लिए नेत्र', 'नेत्रहीनों के लिए ब्राव्हे रीडर', आदि शामिल हैं ऐसा ही एक उत्पाद सीधे हाँथ पर दिखाया गया है जो की 'अलग ढंग से विकलांग के लिए स्मार्ट पुस्तक धारक दर्शाता है। चित्र में अन्य रोचक उत्पाद जैसे 'पेजो डिस्क चढ़कर जूता चार्जर', सुवाह्य कपड़े धोने की मशीन, मशाल के साथ छाता आदि भी शामिल हैं।





## स्वचालित झूलता पालना

**AUTOMATIC SWINGING CRADLE**  
Sangita Rathi, M. Adhikarshan, Sankar Verma, Aditya Kulkarni  
MDM118001, EDM118013, EDM118014, EDM118009  
Department of Electronics, Electrical and Manufacturing Engineering, IITD

**INSPIRATION:**  
Many times a mother may get busy and not find time to always look after her baby. When a baby sleeping in the cradle gets up from its sleep disturbed any noise, it gets irritated and starts crying. When the baby cries, someone is supposed to come and swing the cradle so that the baby gets relaxed and can go back to sleep. Here, we present a basic idea to automatically swing a baby's cradle by sensing the cry of the 'waken-up' baby in a sound input and feed the output voltage to control a motor for driving the mechanism for continuous to-and-fro motion of the cradle.

**PROPOSED MODEL**

**1. ELECTRONICS INVOLVED**  
When the baby cries, its cry is taken as the sound input by a microphone fitted in the cradle. The microphone output is then amplified by a comparator. The comparator is calibrated to pass a logical high only beyond a certain output voltage from the microphone. The comparator output is further used to control a relay which shorts the output of a logic flip-flop, thus, providing the motor with the required voltage.

**2. MECHANICS INVOLVED**  
Therefore, the motor gets the supply voltage whenever the baby cries. The motor is further attached to a small crank of a four-bar crank-rocker mechanism. The crank is our base in the swinging cradle about which the baby is sleeping. Whenever the motor rotates, the crank makes the rocker do a to-and-fro motion. All the links lengths for this mechanism is calculated using the basic Grashof law.  
 $L_1 + L_3 < L_2 + L_4$   
L<sub>1</sub> = crank length;  
L<sub>2</sub> = length of swinging cradle (rocker length);  
The rest of the parameters are designed so as to give the desired motion.

**WORKING PROTOTYPE**

## मशाल के साथ छाता

**Torbella** **Senso-lights**

Why keep both your hands engaged in rainy nights by holding Torch and Umbrella. Instead use our brand new **Torbella**

During Night Journeys, the high intensity lights of the opposite vehicles often make the vehicle invisible

Here is our solution!!

**Working**

**Now, Here it is.**

**Targeted Customers**  
2 & 4 wheeler automobile manufacturers

**Highlights**  
Highly Cost Effective

**Targeted Customers**  
Common Man

**Team:** R. Anil (MDM118001), M. Raj Kumar (EDM118013), M. Rajasekhar (MDM118014), M. Vijay Kumar (COE118009)

## खेतों में पक्षियों को डराने के लिए उपकरण

**PROJECT TITLE: SCARECROW++**

**Objective:** To scare away stray animals or any trespasser from a certain region of specific importance e.g. a farmland, private garden.

**Working Principle:** The IR sensor on the top will sense the presence of an animal, bird or human and will create a sound or sprinkle water depending on the settings. The entire system is ecofriendly as it uses solar energy to do the required task. There are 3 modes in the product: Sound mode, Water mode and Dual mode.

**A happy Farmer**  
CASE 1: When the scarecrow++ is set to SOUND mode, it will make a sound of specific amplitude to scare away the birds. This setting is useful in farmlands and will protect the crops from birds.

**A happy gardener**  
CASE 2: When the scarecrow++ is set to WATER mode, it will sprinkle water whenever it detects an animal in the vicinity. In this mode the gardener can feel safe about the plants & flowers in the garden.

**A happy and safe family**  
CASE 3: When the scarecrow++ is set to DUAL mode, it will not only sprinkle water on the trespasser but will also make a sound to alert the owners and the neighbours about the trespasser. This will keep the family safe.

**new concept**

**Advantages:**

- Increase Efficiency of Blackboard Cleaning
- Reduce Time Less
- Cheap and affordable design

## स्वचालित श्यामपट्ट मार्जक

**Project Title: Automatic Blackboard Cleaner**

**Objective:** To clean the blackboard when there is no space to write on it.

**Proposed Solution...**

**How it works?**  
The robot (for cleaning) moves to & fro on a railing that is fixed over the blackboard.

The steps involved in the whole process is as follows:

1. The duster moves vertically downwards till it reaches the bottom part of the blackboard.
2. The duster halts & the robot moves by 5 cm over the railing.
3. The duster moves vertically upwards till it reaches the top of the blackboard.
4. The process is repeated until it covers the entire area of the blackboard.

**Advantages:**

- Increase Efficiency of Blackboard Cleaning
- Reduce Time Less
- Cheap and affordable design

**Dimension of the prototype**

**Outcome:** Relaxed Teacher

**Team:** R. Anil (MDM118001), M. Raj Kumar (EDM118013), M. Rajasekhar (MDM118014), M. Vijay Kumar (COE118009)

## आमंत्रित व्याख्यान

- श्री सुंदरसेकरण, जीएम (संयंत्र), मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, मनाली, "प्रक्रिया उद्योगों में वायरलेस संचार" पर चेन्नई, २२ सितंबर, २०१३ के द्वारा व्याख्यान।
- ६ जनवरी, २०१४ को श्री बालसुब्रमण्यन श्रीधर, फोर्ड ऑस्ट्रेलिया, द्वारा वितरित उत्पाद डिजाइन और विकास पर व्याख्यान।
- टी.आई.एम.ई.(ट्रायमफेंट मैनेजमेंट एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड. संस्थान), चेन्नई की एक टीम द्वारा अतिथि व्याख्यान, इसमें प्रतियोगी परीक्षायें जैसे की कैट, जीमैट, गेट, मेट, और कैम्पस रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग पर १८ जनवरी, २०१४ को प्रशिक्षण दिया गया।
- डा. वी संपत, मैटलर्जिकल और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास, ने २४ जनवरी, २०१४ को "स्मार्ट सामग्री, सिद्धांतों, तंत्र और अनुप्रयोग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ. बी रवि किशोर और उनकी टीम, एम/एस एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, चेन्नई, "वायरलेस प्रणाली के डिजाइन और इंजीनियरिंग चुनौतियां", १४ मार्च, २०१४।
- श्री चिराग पटेल, एम/एस. मेथ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर, ने "व्यावहारिक डिजाइन अनुभव मेटलैब और सिमुलिक के द्वारा", २७ मार्च, २०१४।



# समाज सेवा

एसएसजी बड़े पैमाने पर समाज और देश के लिए योगदान की अवधारणा को बढ़ावा देता है। आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम की समाज सेवा समूह, सामाजिक योगदान के परंपरागत रूपों के अलावा, इस तरह के स्कूल के छात्रों / अनाथालयों पड़ोसी के लिए मानविकी और विज्ञान में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, पर्यावरण के बारे में जागरूकता प्रदान करने के रूप में उपन्यास के क्षेत्रों पर केंद्रित है।

शिक्षण सत्र स्वयंसेवकों के एक समूह द्वारा, हमारे संस्थान के आसपास के स्कूलों की ६ वें से १० वें तक पढ़ने वाले छात्रों के लिए हमारे संस्थान के भीतर एक कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागियों को पारस्परिक सिद्धान्त के पश्चात व्यावहारिक व क्रियाशील विवरण दिया गया। इसका लक्ष्य को संगणक का उपयोग कर रणनीतियों को सुलझाने का तरीका सीखना था। प्रतिभागियों की रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए पहेलीनुमा तारीके से सवाल किए गये। हमारी दल ने इंजीनियरिंग को एक कैरियर के रूप में शुरू करने के लिए कई युवा बच्चों को प्रेरित किया। अंत में, एक जीवन वृत्ति परामर्श सत्र विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित आयोजित किया गया।

नेत्र जांच शिविर १८ नवंबर, २०१३ को डॉ. अग्रवाल नेत्र अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से हमारे परिसर में आयोजित किया गया। विभिन्न नेत्र विज्ञान परीक्षण भी इस शिविर से बाहर लाभान्वित आसपास के गांवों से छात्रों, स्टाफ के सदस्यों, और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित की गई।

पोलियो ड्रॉप अभियान स्थानीय चिकित्सा अधिकारियों के साथ एस एस जी द्वारा आयोजित किया गया था। हमारे छात्रों ने विभिन्न पोलियो ड्रॉप स्थलों पर तकनीकी सहायता दी। हमारे समूह ने आस पास के क्षेत्र में इस पोलियो अभियान से लाभान्वित करने के लिए सैकड़ों बच्चों की मदद है।



समुद्रतट सफाई गतिविधि जनवरी २०१४ में एसएसजी द्वारा आयोजित की गयी | एसएसजी छात्रों ने हमारी पारिस्थितिकी प्रणाली रखने को स्वच्छ रखने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की।



रक्तदान शिविर लायन क्लब के सहयोग से एसएसजी द्वारा आयोजित किया गया था। उत्साहजनक प्रतिक्रिया के साथ ८० एकाई रक्त एकत्र किया गया जो की अंत में कम से कम २०० लोगों की जान बचाने के लिए उपयोग आ सकेगा। रक्त दाता छात्रों, स्टाफ और संकाय सदस्यों के समावेशी थे।



वृक्षारोपण अभियान समाज सेवा समूह के तत्वावधान में संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था। यह घटना एक बड़ी सफलता थी और छात्रों, स्टाफ और संकाय सदस्यों से सक्रिय रूप से भाग लिया था। वृक्षारोपण अभियान ५ सितंबर, २०१३ को तमिलनाडु के वन विभाग के समन्वय से आयोजित किया गया था।



# मार्गदर्शन एवं परामर्श

आईआईआईटीडीएम के मार्गदर्शन और परामर्श सेवा इकाई साल अभिविन्यास कार्यक्रम, शैक्षिक परामर्श और भावनात्मक परामर्श प्रदान करता है। सेवा इकाई भावनात्मक और शैक्षिक सहायता प्रदान करती है एवं छात्रों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों की एक समर्पित टीम होती है।

इस उद्देश्य के लिए दो व्याख्यानो का आयोजन किया गया। श्री एस स्वामीनाथन, मानव संसाधन विकास सलाहकार और निदेशक ने "कैसे चीजों को ठीक करने के लिए" एवं डॉ. श्रीमती एम. वासुकी ने "सफलता के लिए रास्ता" पर मनोवैज्ञानिक व्याख्यान दिया।



## योग शिविर

आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम शैक्षणिक माहौल में लगातार सीखने की मांग और हमारे छात्रों को सुचारु रूप से काम करते रहने को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न तनाव बस्टर गतिविधियाँ शैक्षिक वर्ष के दौरान आयोजित करता है। ऐसा ही एक लोकप्रिय गतिविधि व्यस्त शैक्षिक और सह पाठ्यक्रम कार्यक्रम के बीच छात्रों का एक अच्छा बहुत आकर्षित करती है जो 'योग' है।



## कमजोर वर्ग कल्याण

व्यक्तित्व विकास पर दो एक दिवसीय कार्यशाला कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए ०९ नवम्बर और १६ नवम्बर २०१३ को आयोजित की गई। इसके अलावा, इस श्रृंखला में तीसरी कार्यशाला के मार्च ०१ २०१४ को आयोजन किया गया था कार्यशाला का लक्ष्य व्यक्तियों में खुद को संवारने के लिए आवश्यक कौशल और गुण पैदा करना ताकि वे सफल और विश्वास से परिपूर्ण हो सकें। कार्यशाला में सीखे गये नरम कौशल से कैंपस प्लेसमेंट और नौकरी के इंटरव्यू के समय में नौकरी/रोजगार हासिल करने के अपने अवसरों में वृद्धि होगी। ८० से अधिक छात्रों ने भाग लिया और लाभ प्राप्त किया।



एक प्रसिद्ध भाषण प्रेरक और कौशल डेवलपर, श्री एस स्वामीनाथन, आसकतेन्नली से, को कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वर्ष २०१३-२०१४ के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तर की शिक्षा छात्रवृत्ति में नए सिरे से १० स्लॉट आवंटित किए। इस योजना के तहत संस्थान ने वर्ष २०१३-२०१४ के दौरान अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए १५,१७,१३०.०० रुपये वितरित किया है। इस योजना से १८ छात्र लाभान्वित हुए।



जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने वर्ष २०१३-२०१४ के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तर की शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए नए सिरे से ५ स्लॉट आवंटित किए। इस योजना के तहत संस्थान ने वर्ष २०१३-२०१४ के दौरान अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए २३२६०३ रुपये वितरित किए। इस योजना से ४ छात्र लाभान्वित हुए।

# छात्रवृत्तियां एवं हिन्दी पखवाड़ा

संस्थान उन छात्रों के जिनके पैतृक आय ४.५ लाख से अधिक नहीं है उनके लिए विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियों के अवसर प्रदान करता है। मेरिट सह छात्रवृत्ति, अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रवृत्ति मुख्य है जो की छात्रों को प्रदान की जाती है। भर्ती छात्रों में ३०% के आसपास छात्र इन छात्रवृत्तियों से सालाना लाभान्वित होते हैं।



संस्थान में हिंदी पखवाड़ा १४-२८ सितंबर २०१३ के दौरान आयोजित किया गया। उक्त अवधि में निबंध लेखन, वाद-विवाद, टंकण इत्यादि प्रतियोगितायें स्टाफ और छात्रों के बीच आयोजित की गईं। विजेता को ३० सितंबर २०१३ को मुख्य अतिथि द्वारा समापन समारोह में पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



## खेल



आधारशिला महामहिम श्री अशोक ठाकुर, सचिव

खेल हमारे पाठ्येतर गतिविधियों का एक अभिन्न हिस्सा है और भीतरी खेल परिसर की आधारशिला श्री अशोक ठाकुर, सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा २० सितंबर, २०१३ को उनके संस्थान दौरे के दौरान रखी गई थी।



कृत्रिम टेनिस कोर्ट का उद्घाटन किया गया ...

संस्थान फुटबॉल टीम ने सितंबर २०१३ में पड़ोसी टैगोर इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ एक दोस्ताना मैच खेला। इसके अलावा प्रथम वर्ष के छात्रों के दाखिले के लिए, क्रिकेट, फुटबॉल और वॉलीबॉल में इंद्रा विभाग घटनाओं विभिन्न संस्थान टीमों के लिए एक फीडर के रूप में सेवा करने के लिए सितंबर के दौरान आयोजित की गई है जो कि अंतर संस्थान प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करते हैं।



प्रस्तावित भीतरी खेल परिसर का दृश्य



## त्वरण - २०१४

### आईआईआईटीडीएम ने तीसरा स्थान जीता

'त्वरण' आईआईआईटीएम ग्वालियर की प्रतिवर्ष आयोजित होनेवाली एक अंतर खेल प्रतियोगिता है, और हमारे छात्रों ने प्रतिवर्ष आयोजित इस अंतर खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता को बनाए रखा है। कुल मिलाकर आईआईआईटीडीएम तीसरे स्थान पर रहा। मुख्य आकर्षण में कुछ इस प्रकार हैं:

- ससंग सर्वश्रेष्ठ एथलीट पुरस्कार प्राप्त किया।
- ससंग मैराथन दौड़ के लिए स्वर्ण पदक जीता।
- रमेश १०० मीटर के लिए रजत पदक जीता।
- दिव्या श्री २०० मीटर के लिए स्वर्ण पदक जीता।
- चौकी दौड़ में टीम ने रजत पदक जीता।
- टेबल टेनिस टीम रजत पदक जीता।

आईआईआईटीडीएम के लिए, त्वरण तंग शैक्षिक कार्यक्रम के बीच एक अच्छा तोड़ देता है। आईआईआईटीडीएम १५ मजबूत टीमों के साथ त्वरण को मैदान में उतारा और ९६० के साथ तीसरे स्थान जीता। हमारे पदक तालिका में ३ स्वर्ण, ८ रजत और ३ कांस्य पदक शामिल हैं।

एम. देस. के श्री बी पुरुषोत्तमान, २९ सितंबर, २०१३ पर आईआईटी मद्रास द्वारा किए गए भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया। यह हमारे संस्थान के छात्र द्वारा आईआईटी मद्रास के जिमखाना द्वारा आयोजित वार्षिक भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रंग उड़ने के साथ बाहर आने जैसा दूसरा उदाहरण है।



100 points for Gold, 70 for Silver and 50 for Bronze	
IIITM – Gwalior	1320
SPA Delhi	1160
IIITDM – Kanchipuram	960
IIIT Delhi	570
BIET Jhansi	320
SSN Chennai	300
IIIT – Allahabad	170
NIT Delhi	150



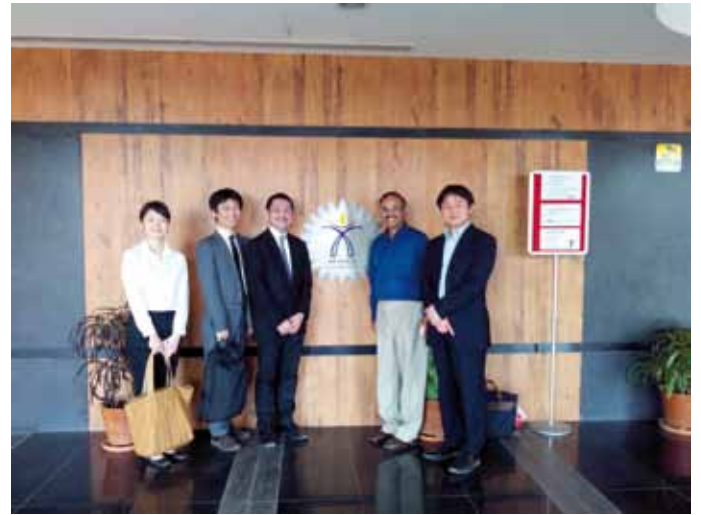
# अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

## प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम शिक्षा, प्रशिक्षण और सहाय और छात्र आदान प्रदान और संयुक्त अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के आधार पर अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए अवसर पैदा करने के लिए प्रतिष्ठित शैक्षिक और अनुसंधान संगठनों के सहयोग को प्रोत्साहित करती है। इस प्रक्रिया में, संस्थान निम्नलिखित संस्थानों और कई अन्य ऐसे कार्यक्रमों विचाराधीन हैं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- ❖ यूनिवर्सिटी ऑफ जिनीवा, इटली
- ❖ यूनिवर्सिटी ऑफ केटेनिया, इटली
- ❖ नगाओका यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नालजी, जापान
- ❖ हिटाची, जापान

प्रौद्योगिकी के नगाओका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एम. ओकजाकी, जापान ने दिसंबर २०१३ में संस्थान का दौरा किया। संस्थान के डिजाइन और विनिर्माण अनुसंधान, प्रोफेसर के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए प्रौद्योगिकी के नगाओका विश्वविद्यालय के साथ एक सहमति पत्र में पहले से ही है। प्रोफेसर एम. ओकजाकी जापान में अनुसंधान और शैक्षिक अवसरों पर एक वार्ता दी और सहमति पत्र के भाग के रूप में खुले विभिन्न मार्गों पर दर्शकों को जानकारी दी। यह यात्रा तीन साल की अवधि के लिए आगे, अनुबंध के नवीकरण की प्रक्रिया के साथ हुई।



# स्थायी परिसर में आधारिक संरचना



सघन आधुनिक ऊर्जा कुशल गृह कोटि परिसर की मुख्य योजना ...

आईआईआईटीडीएम निर्माण कार्य २०१० में शैक्षणिक ब्लॉक, महिला छात्रावास, पुरुष छात्रावास एवं भोजनालय के लिए पी.ई.एम.एस. संरचनाओं के निर्माण के साथ शुरू हुआ। चिड़िया की आंख देखते हुए पी.ई.एम.एस. को नीचे दिखाया गया है।

वर्ष २०१३-१४ के दौरान संस्थान शुरू किए/पूरी परियोजना निर्माण में खासी वृद्धि के साथ, बुनियादी ढांचे के विकास में एक विशाल छलांग भरी है। यह हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता और समन्वय के प्रयासों का परिणाम रहा है जिसका क्रियन्वन एजेन्सी द्वारा किया गया। हमारा प्रयास सभी कामों को बजट के भीतर, उम्मीदों से ऊपर और समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना है। परिसर का विकास इष्टतम भूमि उपयोगिता के साथ किया गया है।

संस्थान के कुल भूमि ५१.७५ एकड़ में से २,९८,३११ वर्ग मीटर के निर्माण की मुख्य योजना के पहले चरण के निर्माण में कुल १,४२,००० वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण हुआ है, जिसमें चरण १ मास्टर प्लान में प्रशासनिक खंड, प्रयोगशाला परिसर, हॉल परिसर, अल्पाहार गृह, अतिथि गृह हाउस, पारगमन छात्रावास, शॉपिंग सेंटर, मेडिकल निरीक्षण कक्ष, पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, शिक्षकों और कर्मचारियों के आवास, सभागार, भीतरी खेल परिसर, आउटडोर खेल का मैदान व्याख्यान, जल उपचार संयंत्र, मलजल उपचार संयंत्र, सबस्टेशन, सड़क, बागवानी, निर्माण, वाईफ़ाई के साथ डाटा नेटवर्क, लैन, आई बी एम एस, फोटो वोल्टेइक सेल बिजली संयंत्र, बॉक्स-अप पीढ़ी के साथ इलेक्ट्रिक एचटी सबस्टेशन, सेंट्रलाइज्ड एच. यू. ए. सी. प्रणाली, आदि शामिल हैं।

मुख्य प्रवेश द्वार (गेट ए) जनवरी २०१४ में खोला गया



# स्थायी परिसर का विकास

**2010**      **2011**      **2012**      **2013**

Receipt of Land from the State Government      Sep 2010

Finalization of Master Plan      Mar 2011

Movement to the Permanent Campus      Aug 2011

**GROWTH OF PERMANENT CAMPUS**

**MASTER PLAN OF THE CAMPUS**

**NOV 2010**

Encroachment Cleared Through Court

Land Occupied by Social Forestry Cleared

IIITD&M Kancheepuram

*"After taking over the land, encroachment by private party, land under control of social forestry and other local groups were brought under the control of the Institute"*

# स्थायी परिसर का विकास



स्थायी परिसर में भूमि आवंटन से छह महीने के भीतर स्थांतरण



चरण १ में स्थायी छात्रावास भवनों का निर्माण

अत्याधुनिक ऊर्जा कुशल परिसर में विभिन्न इमारतों का उपयोग हेतु निर्माण, भूमि आवंटन की तिथि के 3 साल के भीतर

# YEAR 3-2013

**Ashoka Hostel**  
Additional 3 Floors Occupied

**Boys Hostel G+14**  
Nearing Completion

**Foundation stone laying for indoor sports complex**

**Synthetic Tennis Court**

**IITD & M Kancheepuram**

**Dining Block in Final Stages. Ultra High Purification line put on service**

**Cafeteria and STP**  
nearing completion

**Administration Block (G+3) inaugurated on Dec 2013**

# प्रशासनिक खण्ड

## प्रशासनिक खंड का ९ दिसंबर २०१३ को उद्घाटन किया गया।



- केन्द्र चर मात्रा पर नियंत्रण के साथ वातानुकूलित
- अनुकूलतम दिन का प्रकाश (गृह दिशानिर्देशों के अनुसार)
- डबल घुटि हुई इकाइयाँ गर्मी लाभ को कम करने के लिए
- संवेदक प्रचलित काँच के दरवाजे
- सीसीटीवी कैमरा, पहुँच नियंत्रित सिस्टम और सुरक्षा के लिए फायर अलार्म
- लैन और वाई-फाई संयोजन
- केंद्रीय उत्क्रम-परासरण एवं परा बैंगनी विकिरण निरूपण पानी
- व्यावसायिक संवेदक और ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए दिन प्रकाश संवेदक
- शौचालयों में पानी के आदर्श उपयोग के लिए संवेदक नियंत्रित प्रणाली



## अल्पाहार-गृह



- २०० के बैठने की क्षमता - आधुनिक अल्पाहार-गृह अर्ध खुली जगह के साथ।
- उत्क्रम-परासरण एवं परा बैंगनी विकिरण निरूपण पानी की निरंतर आपूर्ति
- सौर गर्म-भाप पाक।
- खाना पकाने अपशिष्ट निपटान-जैव-पाचक कार्य पहले ही मंजूर किया गया है और निविदा मंगाई है।



## अत्याधुनिक सीवरेज उपचार संयंत्र-९५० के एल डी

### केंद्रीकृत मल निकास व्यवस्था उपचार संयंत्र-९५० के एल डी



- एसटीपी के लिए प्रौद्योगिकी एम बी बी आर (मूविंग बेड बियो रिक्टर), अल्ट्रा फिल्ट्रेशन द्वारा एम बी आर के साथ (झिल्ली बायो रिएक्टर) परिकल्पित।
- एक मलजल उपचार संयंत्र वार ९५० के एल डी के इलेक्ट्रो-यांत्रिक उपकरणों का चरणबद्ध तरीके से प्रस्ताव किया गया है। एम बी बी आर इकाइयों के साथ क्रमादेश तर्क नियंत्रक संलग्न हैं।
- प्रक्षालन, एच वी ए सी, बागवानी और आग से लड़ने के लिए प्रशोधित जल का पुनः प्रयोग
- अवमल कीचड़ का प्रेस फिल्टर के साथ प्रशोधन एवं खाद के रूप में बागवानी के लिए उपयोग किया जाएगा।





# शैक्षणिक खंड-पूरा होने के कगार पर

## क्लास रूम संकुल-कार्य प्रगति पर है



- ३ स.-२०० सीटें, ३ स.-१०० सीटें और १९ स.-६० सीटें।
- १२ स. प्रयोगशाला।
- अनुकूलतम दिन का प्रकाश (गृह दिशानिर्देशों के अनुसार)
- डबल घुटि हुई इकाइयाँ गर्मी लाभ को कम करने के लिए।
- कांचकृत और ग्रेनाइट फर्श का समायोजन बेहतर सौंदर्या के लिए।
- केंद्रीय वातानुकूलक और अंकीय क्लास रूम के लिए प्रावधान।
- लैन और वाई-फाई और ऑडियो वीडियो सुविधाएं।
- यूजीसी की नेट वर्क ज्ञान।
- प्रस्तुति कक्ष पूरी तरह ध्वनिक पृथक्करण के साथ।
- ऑडियो दृश्य हाल अत्याधुनिक फर्नीचर के साथ।
- सौर प्रकाश-ऊर्जा का एक वैकल्पिक स्रोत के रूप में।



## भोजनालय खंड-पूरा होने के कगार पर



- केंद्रीकृत भोजनालय १,२०० के बैठने के लिए
- समकालीन रसोई उपकरणों के साथ सुसज्जित
- सौर गर्म-भाप पाक
- उत्क्रम-परासरण एवं परा बैंगनी विकिरण निरूपण पानी की निरंतर आपूर्ति
- उत्तम भोजन कक्ष- ५० बैठने की क्षमता
- जी+४ संरचना चरण - १ - जी+६ के लिए डिज़ाइन किया गया संरचना
- पूरा होने के संभावित तिथि- जुलाई-२०१४



# १४ मंजिला पुरुष छात्रावास-पूरा होने के कगार पर



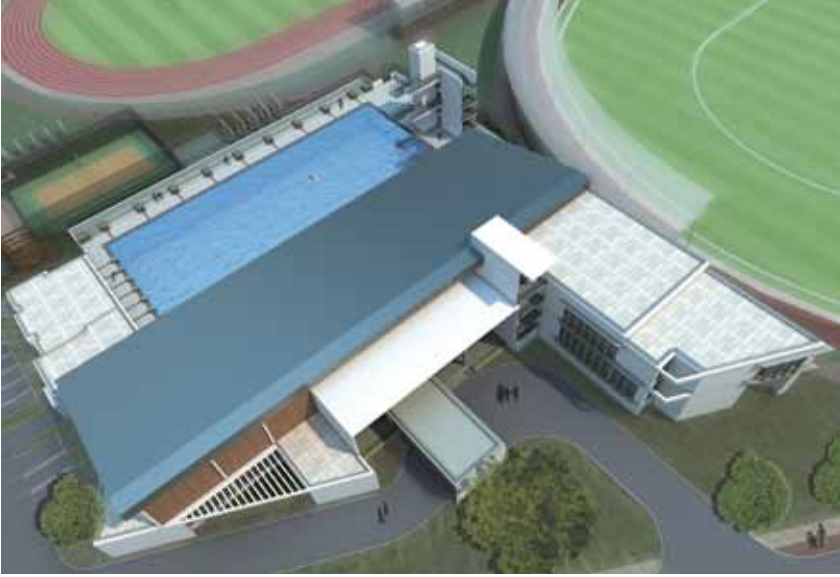
## कुल बिस्तरों की संख्या ७०३

- इष्टतम दिन प्रकाश
- प्रत्येक कमरे में वार्डरोब
- कुर्सी और टेबल के संयोजन के साथ अच्छी तरह से डिजाइन खाट से सुसज्जित
- काँचकृत और ग्रेनाइट फर्श का समायोजन बेहतर सौंदर्य और आसान रखरखाव के लिए
- पर्याप्त लिफ्ट, आग अलार्म और सुरक्षा प्रावधान
- प्रभावी शिक्षण के लिए सभी कमरों में लैन और वाई-फाई के प्रदान किया जाता है
- सभी सेनेटरी सेंसर फिटिंग के साथ कुशल जल प्रबंधन के लिए
- उत्क्रम-परासरण एवं परा बैंगनी विकिरण निरूपण पानी की निरंतर आपूर्ति
- सामाजिक गतिविधि और खेलकूदने का स्थान छात्रावास के छात्रों के आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए

*आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को बचायें ..*



# भीतरी खेल कला का परिसर- कार्य प्रगति पर है



## भीतरी खेल कला का परिसर

- बास्केट बॉल-१ बैडमिंटन कोर्ट-२,
- स्कवैश कोर्ट (युगल) -१,
- स्कवैश कोर्ट (एकल) -१
- व्यायामशाला-१,
- टेबल टेनिस कक्ष-१ (४ मेजें)

